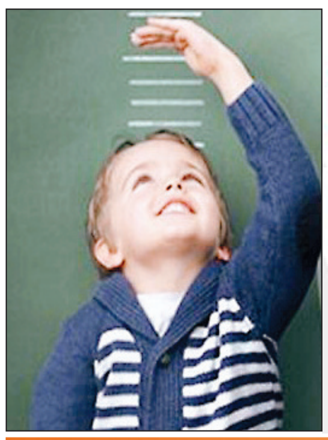

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

होने वाले बच्चे के विकास पर असर डालता है सीलिएक रोग पेज: 7 | बने आयुष्मान यशराज-पोशम पा पि चर्स मिलकर बनाएंगे पेज: 8

वर्ष : 03 | अंक : 93 | मंगलवार 07 जुलाई 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

बिहार के बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए अधिसूचना जारी, 30 को होगा मतदान; आज से नामांकन शुरू

बिहार एजेंसी: बिहार में बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए सोमवार को अधिसूचना जारी होने के साथ ही नामांकन प्रकिया शुरू हो गई। राज्य निर्वाचन पदाधिकारी के कार्यालय ने बताया अधिसूचना जारी होने के साथ ही आज से नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई और 13 जुलाई तक उम्मीदवार अपना नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच 14 जुलाई को होगी जबकि 16 जुलाई तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। बांकीपुर विधानसभा सीट के लिए 30 जुलाई को मतदान कराया जाएगा। मतों की गणना 03 अगस्त को होगी और 04 अगस्त तक चुनाव प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। उल्लेखनीय है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य नितिन नवीन के विधायक पद से इस्तीफे देने के कारण रिक्त हुई

इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की 6 दिवसीय यात्रा पर रवाना हुए पीएम मोदी, जानें क्या है पूरा एजेंडा

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार (6 जुलाई) को इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की छह दिन की यात्रा पर रवाना हुए। इस यात्रा के दौरान वे तीनों देशों के नेताओं के साथ द्विपक्षीय बातचीत करेंगे, सहयोग के अहम क्षेत्रों की समीक्षा करेंगे, बिजनेस लीडर्स से मिलेंगे और भारतीय समुदाय के लोगों को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय से जारी अपने बयान में पीएम मोदी ने कहा कि यह यात्रा भारत की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी', 'महासागर विजन' और एक आजाद, खुले और समावेशी इंडो-पैसिफि क के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को और मजबूत करेगी। मोदी ने बयान में कहा, "पूर्वी और दक्षिणी हिंद महासागर में स्थित इंडोनेशिया और ऑस्ट्रेलिया, और उसके बाद न्यूजीलैंड की मेरी यात्रा

भारत की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी', 'महासागर विजन' और एक आजाद और खुले इंडो-पैसिफि क के प्रति हमारे नजरिए को और मजबूत करेगी।" इंडोनेशिया की पीएम मोदी की चौथी यात्रा विदेश मंत्रालय के अनुसार, प्रधानमंत्री अपनी यात्रा की शुरूआत 6 से 8 जुलाई तक इंडोनेशिया के दौरे से करेंगे, जिसके लिए उन्हें राष्ट्रपति प्राबोवो सुबियांतो ने आमंत्रित किया है। यह पीएम मोदी की इंडोनेशिया की चौथी यात्रा होगी और मई 2018 में भारत और इंडोनेशिया के बीच संबंधों को 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक ले जाने के बाद यह उनकी पहली द्विपक्षीय यात्रा होगी। पीएम मोदी साझेदारी में हुई प्रगति की समीक्षा के लिए राष्ट्रपति प्राबोवो के साथ बातचीत करेंगे। जकार्ता में, प्रधानमंत्री भारतीय समुदाय के लोगों की एक बड़ी सभा को संबोधित करेंगे। वे यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल प्रम्बानन मंदिर

इंडो-पैसिफि क के प्रति हमारे नजरिए को और मजबूत करेगी..

मोदी ने बयान में कहा, 'पूर्वी और दक्षिणी हिंद महासागर में स्थित इंडोनेशिया और ऑस्ट्रेलिया, और उसके बाद न्यूजीलैंड की मेरी यात्रा भारत की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी', 'महासागर विजन' और एक आजाद और खुले इंडो-पैसिफि क के प्रति हमारे नजरिए को और मजबूत करेगी।'

परिसर देखने के लिए योग्याकार्ता भी जाएंगे, जो दोनों देशों के बीच गहरे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों को दशार्ता है। भारत-ऑस्ट्रेलिया सीईओ फोरम इंडोनेशिया से, प्रधानमंत्री मोदी 8 से 10 जुलाई तक ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न जाएंगे, जिसके लिए उन्हें ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने आमंत्रित किया है। मेलबर्न में, प्रधानमंत्री प्रधानमंत्री अल्बानीज के साथ द्विपक्षीय बातचीत करेंगे। वे ऑस्ट्रेलिया की गवर्नर-जनरल सैम मॉस्टिन एसी से भी मुलाकात करेंगे। अपनी यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री भारत-ऑस्ट्रेलिया सीईओ फोरम में भी हिस्सा लेंगे, जहाँ वे दोनों देशों के शीर्ष बिजनेस लीडर्स की सभा को संबोधित करेंगे और भारतीय समुदाय के लोगों से भी बातचीत करेंगे, जिसे सरकार ने भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों का एक अहम स्तंभ बताया है। न्यूजीलैंड की पीएम मोदी की पहली यात्रा अपनी ऑस्ट्रेलिया यात्रा पूरी करने के बाद, पीएम मोदी प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के निमंत्रण पर 10 से 11 जुलाई तक दो दिन की यात्रा के लिए न्यूजीलैंड जाएंगे। यह यात्रा चार दशकों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की न्यूजीलैंड की पहली राजकीय यात्रा होगी। ऑकलैंड में, पीएम मोदी प्रधानमंत्री लक्सन के साथ द्विपक्षीय बातचीत करेंगे और दोनों देशों के बीच संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा करेंगे। पिछले दो वर्षों में इन संबंधों में, खासकर व्यापार, वाणिज्य और रक्षा के क्षेत्रों में काफी प्रगति हुई है। ऑकलैंड में अपनी यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री प्रमुख व्यापारिक और खेल हस्तियों से भी बातचीत करेंगे। बयान में कहा गया है

अरविंद केजरीवाल ने पूछा कौन हैं नितिन नबीन? परवेश वर्मा का चुटीला जवाब- क्या मैं याद हूँ?

नई दिल्ली एजेंसी: आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल की बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन पर की गई टिप्पणी को लेकर विवाद अब एक राजनीतिक घमासान में बदल गया है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री की इस टिप्पणी पर सीएम रेखा गुप्ता ने तीखा हमला किया है, जबकि डिप्टी सीएम प्रवेश वर्मा ने अनोखे अंदाज में पलटवार किया है। अयोध्या राम मंदिर चंदा चोरी के विवाद के बीच, हिंदू देवी-देवताओं के "अपमान" पर विपक्षी नेताओं के चुप रहने का आरोप लगाने वाले बीजेपी नेता नितिन नवीन पर केजरीवाल ने रविवार को निशाना साधा। नवीन ने राहुल गांधी, अखिलेश यादव और केजरीवाल का नाम लेते हुए कहा था कि वे "हिंदू

धर्म को इतना कमजोर न समझें कि लोग आपकी बातों में आ जाएंगे। एक्स पर प्रतिक्रिया देते हुए आप प्रमुख ने नितिन नवीन से पूछा, आप कौन हैं? दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने केजरीवाल की आलोचना करते हुए उनके बयान को हताशा की निशानी बताया। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने नितिन नवीन की उपलब्धियों का ज़िक्र करते हुए उनके बारे में विस्तार से बताया। इसके बाद उन्होंने कहा कि केजरीवाल अपने अहंकार में चूर हैं, जबकि हर कोई जानता है कि वह हताश और निराश हैं। बीजेपी नेता और दिल्ली के डिप्टी सीएम प्रवेश वर्मा ने नितिन नबिन के मामले में अरविंद केजरीवाल के आप कौन हैं? वाले सवाल का छोटा लेकिन दिलचस्प जवाब दिया। वर्मा ने कहा, "राष्ट्रीय अध्यक्ष होना बहुत बड़ी बात है, लेकिन क्या आपको मैं याद भी हूँ या नहीं? रविवार को उत्तर प्रदेश के लखनऊ में एक कार्यक्रम में बोलते हुए नितिन नवीन ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी राम मंदिर से जुड़ी आस्था के साथ किसी को भी खिलवाड़ नहीं करने देगी, भले ही इसके लिए उन्हें अपना खून ही क्यों न बहाना पड़े।

उन्होंने कहा भले ही हमें अपना खून बहाना पड़े, हम यह पक्का करेंगे कि भगवान राम के मंदिर से जुड़ी आस्था के साथ कोई खिलवाड़ न करे। हम किसी भी तरह का बलिदान देने के लिए तैयार हैं। विपक्ष का ज़िक्र करते हुए नवीन ने आगे कहा कि राम मंदिर चंदे में हेराफेरी के विवाद के बीच "हिंदू-विरोधी ताकतें" राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश कर रही हैं।

राहुल का केंद्र पर बड़ा आरोप- मेक इन इंडिया और लोकल के लिए वोकल केवल नारे बनकर रह गए हैं

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की दो प्रमुख पहल 'मेक इन इंडिया' और 'वोकल फॉर लोकल' केवल नारे बनकर रह गई हैं तथा उसकी 'एमएसएमई विरोधी नीतियां' इन उद्योगों का गला घोंट रही हैं। कांग्रेस नेता ने जयपुर में स्थानीय बस और ट्रक बॉडी बिल्डर्स की फैक्ट्री का दौरा करने के बाद अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो जारी किया। उन्होंने कहा कि फैक्ट्रियों में मेहनत और हुनर से भारत का भविष्य गढ़ने वाले कारीगर देश की अर्थव्यवस्था और परिवहन व्यवस्था को मजबूती दे रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली में परिवहन मंत्रालय द्वारा बनाए गए कुछ नियम देशभर के छोटे बस और ट्रक बॉडी निर्माण उद्योगों

के लिए मुश्किलें पैदा कर रहे हैं। गांधी ने आरोप लगाया कि बसों में तकनीकी खराबी के कारण लगने वाली आग का दोष उन बॉडी बिल्डर्स पर मढ़ा जा रहा है, जबकि उनका काम केवल वाहनों की बॉडी तैयार करना है। राहुल गांधी ने कहा कि जिन एमएसएमई को प्रोत्साहन और सहारा मिलना चाहिए, उनकी गतिविधियों पर ही प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की नीतियां छोटे उद्योगों के हितों के अनुरूप नहीं हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि यदि ऐसी फैक्ट्रियां बंद होती हैं तो केवल कारोबार ही प्रभावित नहीं होगा, बल्कि पारंपरिक हुनर बिखरेगा, रोजगार के अवसर कम होंगे और इसका असर आम लोगों पर बढ़ती महंगाई के रूप में भी पड़ेगा। उन्होंने कहा कि इसकी सबसे अधिक कीमत मेहनतकश और हुनरमंद भारतीयों को चुकानी पड़ेगी। राहुल गांधी ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने राजस्थान के स्थानीय बस और ट्रक बॉडी बिल्डर्स से मुलाकात की, जहां उन्हें ऐसा भारत देखने को मिला जो अपने हाथों से रोजगार भी बनाता है और देश की रफ्तार भी बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि इन कारीगरों की विश्वस्तरीय कारीगरी को सम्मान और सहयोग मिलना चाहिए, लेकिन उन्हें नियमों के बोझ तले काम बंद करने पर मजबूर किया जा रहा है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार की एमएसएमई विरोधी नीतियां इन उद्योगों का गला घोंट रही हैं।

रेल यात्रियों को बड़ी सौगात, मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नई ट्रेन सेवाओं को दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली एजेंसी: रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को यहां से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए नांदेड़-मुंबई और टनकपुर-नांदेड़ एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखायी। इसके साथ ही उन्होंने टनकपुर-पीलीभीत रेल सेवा का विस्तार शाहजहांपुर तक किए जाने का भी उद्घाटन किया। वैष्णव ओडिशा के दौरे पर हैं, जहां वह भगवान जगन्नाथ की आगामी रथ यात्रा के मद्देनजर रेलवे की तैयारियों की समीक्षा करने के साथ-साथ दिन में बाद में ओडिशा से शुरू होने वाली दो ट्रेन को भी हरी झंडी दिखाएंगे। उन्होंने नई रेल सेवाओं की शुरूआत यहां रेल सदन से की। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रेल मंत्री ने कहा कि नई रेल सेवाओं से रेल संपर्क बेहतर होगा और यात्रियों, विशेषकर उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के तराई क्षेत्र में रहने वाले सिख समुदाय को इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा, "तराई क्षेत्र में रहने वाले हमारे सिख भाई-बहनों की ओर से लंबे समय से इस रेल सेवा की

मांग की जा रही थी। आज नांदेड़ से वाशिम और हिंगोली होते हुए मुंबई के लिए भी रेल सेवा शुरू की गई है, जिससे विदर्भ और मराठवाड़ा के कई जिलों का मुंबई से संपर्क बेहतर होगा। पीलीभीत, आगरा और टनकपुर को जोड़ने वाली कुछ अन्य रेल सेवाएं भी शुरू की गई हैं।" वैष्णव ने कहा कि रेलवे खटीमा और बनबसा स्टेशनों पर इस ट्रेन के ठहराव की मांग पर भी विचार करेगा। उन्होंने कहा, "यदि यह संभव हुआ, तो इस ट्रेन का ठहराव खटीमा और बनबसा में भी निश्चित रूप से दिया जाएगा।" रेल मंत्री ने यह भी घोषणा की कि टनकपुर-पीलीभीत रेल सेवा का विस्तार उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर तक कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि पहले विशेष ट्रेन के रूप में संचालित होने वाली टनकपुर-आगरा रेल सेवा को अब नियमित कर दिया गया है। रेलवे की पिछले 12 वर्षों की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए वैष्णव ने कहा कि इस अवधि में लगभग 37,000 किलोमीटर नई रेल पटरियां बिछाई गई हैं और रेलवे नेटवर्क का 99.6 प्रतिशत विद्युतीकरण किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि केरल में ओणम पर्व के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे 100 विशेष ट्रेन चलाएगा।

राम मंदिर ट्रस्ट की बैठक जारी, 14 में से 9 सदस्य शामिल

नई दिल्ली एजेंसी: उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले दान में हेराफेरी के आरोपों के बीच 'श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट' की अहम बैठक हो रही है। यह बैठक ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा के भविष्य पर चर्चा करने के लिए बुलाई गई है। डॉ. मिश्रा ने कथित चोरी की नैतिक ज़िम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। बैठक में स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) की अंतरिम रिपोर्ट पर भी चर्चा होगी। मीडिया की मौजूदगी और प्राइवेसी की चिंताओं के कारण यह बैठक राम मंदिर परिसर के अंदर बने गेस्ट हाउस में हो रही है। ट्रस्ट के अध्यक्ष नृत्य गोपाल दास, जिन्हें हाल ही में अस्पताल से छुट्टी मिली है, भी बैठक में शामिल होंगे। गौरतलब है कि दास ने पहले कहा था कि वह कथित चोरी से "बहुत दुखी" हैं। साथ ही, उन्होंने दोषियों को सजा मिलने और SIT की जांच पर भरोसा जताया था। संजय प्रसाद ने वर्चुअल तरीके से बैठक में हिस्सा लिया उत्तर प्रदेश के प्रमुख सचिव (गृह) संजय प्रसाद वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बैठक में शामिल हुए। एसआईटी ने अपनी जांच रिपोर्ट संजय प्रसाद को सौंपी, जो ट्रस्ट के पदेन सदस्य हैं। चंपत राय अहम बैठक में शामिल नहीं होंगे श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय अयोध्या के राम मंदिर में चोरी के आरोपों के बीच बुलाई गई अहम बैठक में शामिल नहीं होंगे। ट्रस्ट के 14 में से 9 सदस्य बैठक में शामिल यूपी सरकार के प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद VC के माध्यम से बैठक में जुड़े SIT ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट संजय प्रसाद को ही सौंपी थी संजय प्रसाद राम मंदिर ट्रस्ट के पदेन सदस्य हैं इस बात की संभावना है कि SIT की प्रारंभिक रिपोर्ट पर भी चर्चा होगी

मुंबई पर अगले 24 घंटे भारी, रेड एलर्ट जारी, भूस्खलन के कारण पुणे से संपर्क टूटा

मुंबई एजेंसी: मुंबई में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने शहर में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा कर दी है। भारी जलजमाव के कारण सड़कों पर यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर भूस्खलन की घटनाओं ने सड़क और रेल संपर्क को गंभीर रूप से बाधित कर दिया है, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच, बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने सोमवार, 6 जुलाई को मुंबई के सभी सरकारी, निजी और बीएमसी-संचालित स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टी घोषित कर दी है। मुंबई में बारिश का हाल मौसम विभाग ने मुंबई और आसपास के इलाकों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। अगले 24 घंटों में और अधिक भारी बारिश की आशंका जताई जा रही है। शहर के कई निचले इलाकों में पानी भर गया है, जिससे सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। बारिश के कारण सड़कों पर कई फीट तक पानी जमा

हो गया है, जिससे वाहनों का आवागमन मुश्किल हो गया है। लोकल ट्रेनों की सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं, जिससे हजारों यात्रियों को परेशानी हो रही है। मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर भूस्खलन मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर कई स्थानों पर भूस्खलन की खबरें सामने आई हैं। इन घटनाओं के कारण एक्सप्रेसवे पर यातायात पूरी तरह से रोक दिया गया है। भूस्खलन के मलबे को हटाने और सड़क को यातायात के लिए फिर से खोलने के प्रयास जारी हैं, लेकिन भारी बारिश के कारण इसमें बाधा आ रही है। इस स्थिति के कारण मुंबई और पुणे के बीच यात्रा करने वाले लोगों को वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करना पड़ रहा है, जिससे यात्रा के समय में काफी वृद्धि हुई है। रेल और सड़क संपर्क पर असर भूस्खलन के कारण न केवल सड़क मार्ग प्रभावित हुआ है, बल्कि रेल संपर्क पर भी इसका असर पड़ा है। मध्य रेलवे ने घोषणा की है कि भारी बारिश और जलभराव के कारण कई ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं या उनके मार्ग बदल दिए गए हैं। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे यात्रा करने से पहले ट्रेन की स्थिति की जांच कर लें।

शाहजहांपुर की जलालाबाद तहसील अब कहलाएगी परशुरामपुरी, योगी कैबिनेट का बड़ा फैसला

लखनऊ एजेंसी: यूपी में एक और शहर का नाम बदला! लखनऊ में मुख्यमंत्री आवास पर हुई कैबिनेट बैठक में शाहजहांपुर की जलालाबाद तहसील का नाम बदलने के प्रस्ताव को पास कर दिया गया है। योगी कैबिनेट की मंजूरी के बाद अब जलालाबाद तहसील का नया नाम 'भगवान परशुराम पुरी' होगा। सोमवार को हुई इस उच्चस्तरीय बैठक में दोनों डिप्टी सीएम और राज्य के प्रमुख मंत्रियों ने हिस्सा लिया, जहां इस फैसले समेत कई अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं और प्रस्तावों को भी मंजूरी दी गई। प्रशासन जल्द ही नाम बदलने की आगे की कागजी कार्रवाई शुरू करेगा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर सोमवार को उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की और उन्हें महान स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद् तथा भारत की एकता और अखंडता के प्रबल समर्थक के रूप में याद किया। आदित्यनाथ ने यहां आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि देश की एकता की रक्षा करने और जम्मू-कश्मीर को मिले विशेष दर्जे का विरोध करने में डॉ. मुखर्जी के

योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत माता के महान सपूत, महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और एक देश में दो विधान, दो प्रधान, दो निशान नहीं चलेंगे का उद्घोष करने वाले डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की आज 125वीं पावन जयंती है। इस अवसर पर उनकी स्मृतियों को नमन करते हुए उत्तर

योगी कैबिनेट की मंजूरी के बाद अब जलालाबाद तहसील का नया नाम 'भगवान परशुराम पुरी' होगा। सोमवार को हुई इस उच्चस्तरीय बैठक में दोनों डिप्टी सीएम और राज्य के प्रमुख मंत्रियों ने हिस्सा लिया, जहाँ इस फैसले समेत कई अन्य

प्रदेश सरकार और प्रदेश की जनता की ओर से मैं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार से अलग होने के बाद भारतीय जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष के रूप में डॉ. मुखर्जी ने देश की अखंडता के लिए ह्यएक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगेह्ल का नारा दिया और जम्मू-कश्मीर की विशेष दर्जे की व्यवस्था का विरोध किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 और तत्कालीन नेहरू सरकार की तुष्टीकरणह्लकी नीति के खिलाफ जो अभियान शुरू किया था, उसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी सरकार ने 2019 में अनुच्छेद 370 को समाप्त कर साकार किया। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर में भी बाबा साहब भीमराव आंबेडकर का संविधान पूरी तरह लागू हुआ। उन्होंने कहा कि यह हम सबके लिए सौभाग्य की बात है कि जिस बंगाल को पाकिस्तान के खूनी पंजे से बचाने में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, वही बंगाल आज उन्हें अपना आदर्श मानने वाली भारतीय जनता पार्टी के शासन का हिस्सा बना हुआ है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि पश्चिम बंगाल में डॉ. मुखर्जी से जुड़े स्थानों का विकास वहां की डबल इंजन सरकार द्वारा किया जा रहा है।

संपादकीय

जीवन-रक्षक न्यायिक पहल

कैसी विडंबना है कि जिस जिम्मेदार व्यवहार को शासन-प्रशासन को अपने विवेक का इस्तेमाल करते हुए करना चाहिए, उसकी पहल अदालत को करनी पड़ रही है। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने एक जरूरी नागरिक समस्या की ओर शासन-प्रशासन का ध्यान दिलाया है, जिसे अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है- सड़कों के किनारे छोड़े गए दुर्घटनाग्रस्त वाहन। जिनसे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। दरअसल, शिमला एयरपोर्ट तक जाने वाली सड़क और जिला अदालत के आस-पास पड़ी अनेक दुर्घटनाग्रस्त गाड़ियों को देखकर ही अदालत ने यह बात कही। कोर्ट का कहना है कि ये दुर्घटनाग्रस्त गाड़ियां सड़क सुरक्षा के लिये खतरा और पर्यावरण के लिये नुकसानदेह हैं। निस्संदेह,यह प्रशासनिक लापरवाही का जीता-जागता उदाहरण है। पहाड़ी राज्यों में, जहां सड़कें संकरी और घुमावदार होती हैं और लगातार भूस्खलन का खतरा बना रहता है, वहां सड़क की हर इंच जगह कीमती होती है। तार्किक ही है कि छोड़ी गई गाड़ियां सड़क की चौड़ाई को कम कर देती हैं। वहीं दूसरी ओर तीव्र मोड़ों पर देखने में बाधा डालती हैं। ये आपातकालीन सेवाओं की आवाजाही में भी बाधक बनती हैं। निस्संदेह, इससे दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है। विशेष रूप से बरसात के मौसम में जब फिसलन भरी सड़कों और कम दृश्यता के कारण वाहन चालक पहले ही ड्राइविंग में मुश्किलों का सामना कर रहे होते हैं। ऐसे में सड़कों को कबाड़खाने में तब्दील करने की इजाजत किसी भी कीमत पर नहीं दी जा सकती। दूसरी तरफ इन दुर्घटनाग्रस्त वाहनों के पर्यावरण पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव की भी अनदेखी नहीं की जा सकती। इनका पर्यावरण पर पड़ने वाला प्रभाव भी एक गंभीर समस्या है। क्षतिग्रस्त वाहनों से अक्सर ईंधन, इंजन ऑयल,कूलेंट, ब्रेक फ्लूइड तथा बैटरी एसिड रिसता रहता है। जिससे मिट्टी तथा जल-स्रोत प्रदूषित हो सकते हैं। हिमालय पर्वत श्रृंखलाओं जैसे पर्यावरणीय दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में इस तरह के प्रदूषण के दूरगामी घातक प्रभाव हो सकते हैं। निश्चित रूप से पुलिस, परिवहन विभाग, नगर निकायों, बीमा कंपनियों और न्यायपालिका के बीच तालमेल न होने के कारण ही समस्या जटिल बनी हुई है। दुर्घटनाग्रस्त वाहनों के संबंध में जांच लंबित होने, बीमा संबंधी विवादों और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों के लिये निर्धारित जगह न होने से यह समस्या जटिल बनी हुई है। इन सभी कारणों से ये दुर्घटनाग्रस्त वाहन सड़कों के किनारे यूं ही पड़े रहते हैं। यही वजह है कि हाईकोर्ट ने समस्या के निदान के लिये एक कारगर एक्शन प्लान की मांग की है। जिसमें जब्त वाहनों के लिये खास यार्ड बनाने, डिजिटल तरीके से पड़ताल, जब्त वाहनों को छोड़ने के लिये समयबद्ध प्रक्रिया और स्क्रैपिंग सेंटरों के जरिये वैज्ञानिक तरीके से रीसाइक्लिंग की सख्त जरूरत है।

चिंतन-मनन

जीवन और मृत्यु

चीन में लाओत्से के समय में ऐसी प्रचलित धारण थी कि आदमी के शरीर में नौ छेद होते हैं। उन्हीं नौ छेदों से जीवन प्रवेश करता है और उन्हीं से बाहर निकलता है। दो आंखें, दो नाक के छेद, मुंह, दो कान, जननेंद्रिय, गुदा। इसके साथ चार अंग हैं- दो हाथ और दो पैर। सब मिला कर तेरह। यही तेरह अंग जीवन के साथी हैं और मृत्यु के भी साथी हैं। यही तेरह जीवन में लाते हैं और यही जीवन से बाहर ले जाते हैं। तेरह का मतलब यह पूरा शरीर। इन्हीं से तुम भोजन करते हो; इन्हीं से जीवन पाते हो; इन्हीं से उठते-बैठते और चलते हो। यही तुम्हारे स्वास्थ्य का आधार हैं और यही मृत्यु का भी आधार होंगे। क्योंकि जीवन और मृत्यु एक ही चीज के दो नाम हैं। इन्हीं से जीवन तुम्हारे नाम आएगा, इन्हीं से बाहर जाएगा। इन्हीं से शरीर के भीतर खड़े हो। इन्हीं के साथ शरीर टूटेगा, इनके द्वारा ही टूटेगा। हैरानी की बात है। यही तुम्हें संभालते हैं और यही मिटाएंगें। भोजन तुम्हें जीवन देता है, शक्ति देता है और भोजन की शक्ति से अपने भीतर की मृत्यु को बड़ा किये चले जाते हो। भोजन तुम्हें बुढ़ापे तक पहुंचा देगा, मृत्यु तक पहुंचा देगा। आंख, नाक, कान से जीवन की श्वास भीतर आती है। उन्हीं से बाहर जाती है। नौ द्वार और चार अंग। लाओत्से कहता है- तेरह ही जीवन के साथी, तेरह ही मौत के साथी। ये तेरह ही ले जाते हैं। अगर तुम सजग हो जाओ तो तुम चौदहवें हो। इन तेरह के पार हो। इस तेरह की संख्या के कारण चीन और फिर धीरे-धीरे सारी दुनिया में, तेरह का आंकड़ा अपशकुन हो गया। इस सुपरस्टीशन की पैदाइश चीन में हुई। अमेरिका में होटलों में तेरह नंबर का कमरा नहीं होता; तेरह नंबर की मंजिल भी नहीं होती। क्योंकि कोई तेरह नंबर पर ठहरने को राजी नहीं है। तेरह शब्द से ही घबराहट होती है। बारह नंबर के कमरे के बाद चौदह नंबर आता है। असल में होता तो वह तेरहवां ही है, लेकिन जो ठहरता है, उसे चौदह याद रहता है। तेरह की चिंता नही पकड़ती।
चीन में बड़े अर्थपूर्ण कारण से यह विश्वास फैला। तेरह अपशकुन है। तुम चौदहवें हो और तुम्हें चौदहवें का कोई पता भी नहीं। तुम न जीवन हो, न मौत। तुम दोनो के पार हो। अगर इन तेरह के प्रति सजग हो जाओगे, पृथक हूं, मै अन्य हूं। शरीर और, मैं और। और यह जो भीतर भिन्नता, शरीर से अलग चैतन्य का अविर्भाव होगा, इसकी न कोई मृत्यु है, न कोई जीवन है। यह न कभी पैदा हुआ, न कभी मरेगा।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

क्षमा से ही खिलता है जीवन का सच्चा सौंदर्य

कांतिलाल मांडोत

हर वर्ष 7 जुलाई को विश्व क्षमा दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य लोगों को पुराने मतभेदों, कटु स्मृतियों और वैरभाव को भुलाकर स्वयं तथा दूसरों को क्षमा करने के लिए प्रेरित करना है। वर्ष 1994 में कनाडा में क्राइस्ट्स एंबेसडर्स क्रिश्चियन एंबेसी द्वारा इस दिवस की शुरूआत की गई थी। आज यह दिन केवल किसी एक देश या समुदाय तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरी दुनिया में शांति, प्रेम, सहिष्णुता और मानवीय मूल्यों का संदेश देने वाला अवसर बन चुका है। आधुनिक जीवन की भागदौड़, तनाव, प्रतिस्पर्धा और स्वार्थ के बीच क्षमा का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। यह केवल एक शब्द नहीं बल्कि जीवन को प्रकाशमान करने वाली ऐसी साधना है, जो व्यक्ति के भीतर के अंधकार को समाप्त कर देती है।
क्षमा का अर्थ केवल किसी से औपचारिक रूप से यह कह देना नहीं कि मैं तुम्हें क्षमा करता हूँ। वास्तविक क्षमा हृदय की अनुभूति है। जब मन से क्रोध, ईर्ष्या, द्वेष और प्रतिशोध का भाव समाप्त हो जाता है, तभी सच्ची क्षमा जन्म लेती है। क्षमा अंतरात्मा का वह प्रकाश है जो मनुष्य को भीतर से निर्मल और शांत बनाता है। यही कारण है कि भारतीय संस्कृति में क्षमा को धर्म, तप और महानता का प्रतीक माना गया है। शास्त्रों में कहा गया है कि क्षमा वीरस्य भूषणम्, अर्थात क्षमा वीरों का आभूषण है। जो स्वयं पर विजय प्राप्त कर लेता है, वही वास्तव में दूसरों को क्षमा करने की क्षमता रखता है।
विश्व क्षमा दिवस का महत्व केवल आध्यात्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। अनेक स्वास्थ्य अध्ययनों में यह प्रमाणित हो चुका है कि क्षमा करने वाला व्यक्ति तनाव, चिंता और अवसाद से अपेक्षाकृत जल्दी मुक्त हो जाता है। जब मन में कटुता रहती है तो उसका प्रभाव शरीर पर भी पड़ता है। रक्तचाप बढ़ता है, नींद प्रभावित होती है और मन अशांत बना रहता है। इसके विपरीत क्षमा का भाव मानसिक शांति, सकारात्मक सोच और भावनात्मक संतुलन प्रदान करता है। इसलिए क्षमा केवल दूसरों के लिए नहीं बल्कि स्वयं के लिए भी सबसे बड़ा उपहार है।
भारतीय संस्कृति में क्षमा की परंपरा अत्यंत प्राचीन और समृद्ध रही है। विशेष रूप से जैन धर्म में क्षमा को आत्मशुद्धि का सर्वोच्च साधन माना गया है। चातुर्मास के दौरान आने वाले पर्यूषण पर्व के समापन पर संवत्सरी महापर्व मनाया जाता है। इस दिन प्रत्येक जैन श्रद्धालु अपने द्वारा जाने-अनजाने में हुई सभी भूलों के लिए सभी प्राणियों से क्षमा याचना करता है। वह विनम्र भाव से कहता है– मिच्छामि दुक्कडम्, अर्थात यदि मुझसे मन, वचन या कर्म से कोई भूल हुई हो तो मुझे क्षमा करें। इसी भावना को प्राकृत गाथा में व्यक्त किया गया है–
खामेमि सव्वे जीवा, सव्वे जीवा वि खमंतु में। मित्ति में सव्व भूएसु, वेरं मज्झं न केणइ॥
इसका भावार्थ है कि मैं सभी जीवों से क्षमा मांगता हूँ, सभी जीव मुझे क्षमा करें। मेरा सभी प्राणियों के साथ मैत्रीभाव है और किसी के प्रति कोई वैर नहीं है। यह संदेश केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए शांति का सूत्र है।
क्षमा का वास्तविक अर्थ तभी सार्थक होता है जब हम केवल अपने प्रियजनों से ही नहीं बल्कि उन लोगों से भी क्षमा मांगें या उन्हें क्षमा करें जिनसे हमारे संबंधों में कटुता आ गई हो। अक्सर देखा जाता है कि लोग औपचारिक रूप से क्षमायाचना का संदेश भेज देते हैं, लेकिन मन में द्वेष बनाए रखते हैं। ऐसी क्षमा केवल शब्दों तक सीमित रहती है। सच्ची क्षमा वही है जो हृदय की गहराइयों से निकले और संबंधों में नई मधुरता का संचार करे। यदि हम अपने विरोधी के प्रति भी मैत्रीभाव रख सकें, तभी क्षमा का वास्तविक स्वरूप प्रकट होता है।
जीवन में कषाय अर्थात क्रोध, मान, माया और लोभ ही अधिकांश दुखों का कारण बनते हैं। जैन आगमों में कहा गया है कि कषाय ही कर्मों का मूल कारण है। इसलिए मनुष्य को अपने भीतर उठने वाले क्रोध और अहंकार को शीघ्र समाप्त कर देना चाहिए। परिवार और समाज में अधिकांश विवाद छोटी-छोटी बातों से प्रारंभ होते हैं, लेकिन यदि समय रहते क्षमा और संवाद का मार्ग अपनाया जाए तो बड़े से बड़ा विवाद भी समाप्त हो सकता है। क्षमा संबंधों को जोड़ती है, जबकि अहंकार उन्हें तोड़ देता है।
इतिहास और धर्मग्रंथों में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं, जहाँ क्षमा ने असंभव प्रतीत होने वाली परिस्थितियों को भी बदल दिया। भगवान महावीर ने अपने विरोधियों के प्रति भी करुणा और क्षमा का भाव रखा। भगवान राम ने अपने धैर्य और विनम्रता से अनेक कठोर परिस्थितियों को सहज बना दिया। भगवान विष्णु ने भृगु ऋषि के पदाघात को भी सहजता से स्वीकार किया। भगवान बुद्ध ने अपमान और कटु वचनों का उत्तर भी शांत मुस्कान से दिया। महात्मा गांधी ने भी सत्य और अहिंसा के साथ क्षमा को अपने जीवन का आधार बनाया। इन सभी महापुरुषों ने सिद्ध किया कि क्षमा दुर्बलता नहीं बल्कि आत्मबल और आध्यात्मिक शक्ति का सर्वोच्च स्वरूप है।
आज का समाज अनेक प्रकार के तनाव, पारिवारिक विघटन, सामाजिक संघर्ष और मानसिक अशांति से जूझ रहा है। ऐसे समय में विश्व क्षमा दिवस हमें आत्मचिंतन का अवसर देता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि जीवन बहुत छोटा है। यदि हम क्रोध, ईर्ष्या और द्वेष को अपने भीतर स्थान देते रहेंगे तो सबसे अधिक नुकसान हमारा ही होगा। इसलिए आवश्यक है कि हम अपने मन को शुद्ध करें, दूसरों की भूलों को क्षमा करें और अपनी भूलों के लिए विनम्रता से क्षमा मांगें। यही आत्मविकास का सबसे सरल और श्रेष्ठ मार्ग है।
विश्व क्षमा दिवस केवल एक तिथि नहीं बल्कि मानवता का उत्सव है। यह हमें सिखाता है कि प्रेम, करुणा, मैत्री और क्षमा ही स्थायी सुख के आधार हैं। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में क्षमा का भाव विकसित कर ले तो परिवारों में प्रेम बढ़ेगा, समाज में सौहार्द स्थापित होगा और विश्व में शांति का वातावरण बनेगा। यही इस दिवस का वास्तविक संदेश है कि हम अपने भीतर के अहंकार को त्यागकर प्रेम और सद्भाव के दीप जलाएँ।
आइए, इस विश्व क्षमा दिवस पर हम संकल्प लें कि किसी भी व्यक्ति के प्रति मन में वैरभाव नहीं रखेंगे। यदि हमसे किसी के प्रति कोई भूल हुई है तो विनम्रतापूर्वक क्षमा मांगेंगे और जिसने हमें कष्ट पहुँचाया है, उसे भी खुले मन से क्षमा करेंगे। यही आत्मशुद्धि का मार्ग है, यही धर्म का सार है और यही मानव जीवन की सबसे बड़ी विजय है। सच ही कहा गया है–
प्रेम क्षमा सद्भाव का संवत्सर दिन खासआतप घटे कषाय का बढ़े धर्म की प्यास।

डिजिटल पायरेसी पर निर्णायक प्रहार जवाबदेही के नए दौर में डिजिटल प्लेटफॉर्म

विनोद कुमार सिंह

भारत तीव्र गति से डिजिटल अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। मनोरंजन,शिक्षा,व्यापार, पत्रकारिता और संचार का बड़ा हिस्सा अब ऑनलाइन माध्यमों पर निर्भर है।तकनीकी विकास ने रचनात्मक उद्योगों के लिए अभूतपूर्व अवसर पैदा किए हैं,वहीं डिजिटल पायरेसी जैसी चुनौती भी उतनी ही गंभीर होती गई है।कभी पायरेटेड सीडी और डीवीडी इस अवैध कारोबार का माध्यम थीं, फिर टोरेंट वेबसाइटों का दौर आया और अब एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग प्लेटफॉर्म,क्लाउड स्टोरेज,निजी डिजिटल समूह तथा स्वचालित बॉट नेटवर्क पायरेटेड सामग्री के प्रसार के नए माध्यम बन चुके हैं। ऐसे परिदृश्य में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा Telegram को जारी नोटिस केवल एक प्रशासनिक कार्रवाई नहीं,बल्कि भारत की डिजिटल शासन व्यवस्था में उभर रहे नए दृष्टिकोण का स्पष्ट संकेत है।सरकार ने Telegram से अपेक्षा की है कि वह केवल शिकायत मिलने पर सामग्री हटाने तक सीमित न रहे,बल्कि अपने प्लेटफॉर्म पर पायरेटेड फिल्मों, ओटीटी सामग्री और अन्य कॉपीराइट संरक्षित ऑडियो- विजुअल कंटेंट की पहचान, रोकथाम और निष्कासन के लिए प्रभावी तंत्र विकसित करे तथा निर्धारित समय में विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करे।यह संदेश भी स्पष्ट है कि डिजिटल मध्यस्थ होने का अर्थ केवल तकनीकी मंच उपलब्ध कराना नहीं,बल्कि कानून के अनुरूप आवश्यक सावधानी और उत्तरदायित्व का पालन करना भी है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब भारत विश्व के सबसे बड़े फिल्म निर्माण देशों में शामिल होने के साथ-साथ सबसे तेजी से बढ़ते ओटीटी बाजारों में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा चुका है।भारतीय भाषाओं की फिल्में और वेब सीरीज आज वैश्विक दर्शकों तक पहुँच रही हैं। डिजिटल माध्यमों ने छोटे शहरों के कलाकारों,स्वतंत्र फिल्मकारों और नए रचनाकारों को भी विश्वस्तरीय मंच प्रदान किया है।यह परिवर्तन केवल मनोरंजन उद्योग तक सीमित नहीं, बल्कि भारत की उभरती हुई क्रिएटर इकोनॉमी का आधार बन चुका है। डिजिटल पायरेसी का सबसे बड़ा नुकसान केवल फिल्म निमार्ता तक सीमित नहीं रहता।किसी भी फिल्म या वेब सीरीज के निर्माण में लेखक,निर्देशक, संगीतकार, गीतकार, अभिनेता, तकनीशियन, कैमरामैन, संपादक, ध्वनि विशेषज्ञ,ग्राफिक्स कलाकार, वितरक,प्रचार एजेंसियाँ और हजारों प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष कर्मचारी जुड़े होते हैं। किसी फिल्म की वैध आय में कमी का अर्थ इन सभी के श्रम और निवेश का अवमूल्यन है। यही कारण है कि विकसित देशों में बौद्धिक संपदा संरक्षण को आर्थिक विकास,नवाचार और निवेश की अनिवार्य शर्त माना जाता है।भारत में भी कॉपीराइट संरक्षण के लिए पर्याप्त कानूनी व्यवस्था उपलब्ध है।सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम,2000,सूचना प्रौद्योगिकी(मध्यस्थ दिशानिर्देश एवं डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021,कॉपीराइट अधिनियम, 1957 तथा सिनेमैटोग्राफ अधिनियम के विभिन्न प्रावधान डिजिटल माध्यमों पर होने वाले उल्लंघनों से निपटने का आधार प्रदान करते हैं। न्यायपालिका ने भी समय-समय पर जॉन डो अथवा अशोक कुमार आदेश तथा डायनेमिक इंजंक्शन जैसी व्यवस्थाओं के माध्यम से यह स्वीकार किया है कि डिजिटल अपराध स्थिर नहीं होते, इसलिए उनके समाधान भी तकनीक के अनुरूप गतिशील होने चाहिए।विश्व के अनेक देशों ने इसी अनुभव के आधार पर डिजिटल प्लेटफॉर्मों की जवाबदेही बढ़ाई है।अमेरिका में डिजिटल मिलेनियम कॉपीराइट एक्ट,यूरोपीय संघ में डिजिटल सर्विसेज एक्ट तथा जापान, दक्षिण कोरिया और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों की नीतियाँ इस दिशा में स्पष्ट संकेत देती हैं कि तकनीकी कंपनियाँ केवल निष्क्रिय माध्यम बनकर अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकतीं। भारत का वर्तमान दृष्टिकोण भी इसी वैश्विक प्रवृत्ति के अनुरूप दिखाई देता है।
हालाँकि यह विषय केवल कानून लागू करने का नहीं है। डिजिटल प्लेटफॉर्म आज शिक्षा,शोध, व्यापार,नागरिक संवाद और लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति के भी प्रमुख माध्यम हैं।करोड़ों भारतीय Telegram जैसे प्लेटफॉर्मों का उपयोग पूरी तरह वैध उद्देश्यों के लिए करते हैं। इसलिए पायरेसी के विरुद्ध किसी भी कार्रवाई में यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि वैध उपयोगकताओं की निजता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और डिजिटल अधिकारों पर अनावश्यक प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। लोकतांत्रिक शासन की सफलता इसी संतुलन में निहित है कि अपराध पर कठोरता हो, लेकिन नागरिक अधिकार सुरक्षित रहें।
आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्लाउड कंप्यूटिंग और एन्क्रिप्टेड संचार प्रणालियों ने डिजिटल पायरेसी को और जटिल बना दिया है।पहले किसी पायरेटेड फिल्म को बड़े पैमाने पर प्रसारित करने के लिए संगठित नेटवर्क की आवश्यकता होती थी,जबकि अब कुछ ही मिनटों में स्वचालित बॉट,निजी समूह और क्लाउड लिंक के माध्यम से वही सामग्री हजारों स्थानों तक पहुँच सकती है। परिणामस्वरूप केवल सामग्री हटाने की पारंपरिक व्यवस्था पर्याप्त नहीं रह गई है। दुनिया भर में अब रोकथाम, पूर्व पहचान और तकनीकी निगरानी आधारित मॉडल पर अधिक बल दिया जा रहा है।भारत के सामने भी यही चुनौती है।किसी एक प्लेटफॉर्म पर कार्रवाई करके डिजिटल पायरेसी की समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। इंटरनेट की प्रकृति ऐसी है कि एक माध्यम बंद होने पर दूसरा सक्रिय हो जाता है। इसलिए सरकार ,डिजिटल प्लेटफॉर्म, इंटरनेट सेवा प्रदाता, फिल्म उद्योग,ओटीटी कंपनियाँ, साइबर विशेषज्ञ और कानून-प्रवर्तन एजेंसियों के बीच सतत समन्वय विकसित करना होगा। यह केवल कानूनी नहीं,बल्कि तकनीकी और प्रशासनिक सहयोग का भी विषय है। रचनात्मक उद्योगों को भी समय के अनुरूप अपनी रणनीति बदलनी होगी।अनेक देशों के अनुभव बताते हैं कि जब फिल्में और डिजिटल सामग्री उचित मूल्य पर,उच्च गुणवत्ता के साथ और समय पर वैध मंचों पर उपलब्ध होती हैं,तब पायरेसी स्वतः घटती है।इसलिए केवल दंडात्मक कार्रवाई पर्याप्त नहीं होगी।उपभोक्ता-अनुकूल डिजिटल पारिस्थितिकी,तेज वैध वितरण और किफायती सेवाएँ भी इस लड़ाई का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।इसके साथ-साथ समाज में बौद्धिक संपदा अधिकारों के प्रति सम्मान विकसित करना भी उतना ही आवश्यक है।हमारे यहाँ अक्सर बिना भुगतान के फिल्म या वेब सीरीज देखना गंभीर अपराध नहीं माना जाता,जबकि वास्तव में यह किसी रचनाकार के श्रम और अधिकार का अतिक्रमण है।जिस प्रकार भौतिक संपत्ति की चोरी सामाजिक रूप से अस्वीकार्य है, उसी प्रकार बौद्धिक संपदा की चोरी को भी नैतिक और सामाजिक स्तर पर अस्वीकार किया जाना चाहिए। यह परिवर्तन केवल कानून से नहीं, बल्कि जन-जागरूकता और शिक्षा से आएगा।ळीँ१ को जारी नोटिस का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यही है कि भारत में व्यापार करने वाली डिजिटल कंपनियों को भारतीय कानूनों के अनुरूप उत्तरदायी भी होना होगा।भविष्य में संभव है कि अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्मों के लिए भी इसी प्रकार के मानक विकसित किए जाएँ।यदि इनका क्रियान्वयन पारदर्शी, न्यायसंगत और तकनीकी रूप से सक्षम ढंग से किया जाता है,तो भारत अपनी रचनात्मक अर्थव्यवस्था को अधिक सुरक्षित बनाने के साथ-साथ वैश्विक डिजिटल शासन के क्षेत्र में भी संतुलित और उत्तरदायी मॉडल प्रस्तुत कर सकता है।वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति केवल आधारभूत संरचना, विनिर्माण और निवेश से संभव नहीं होगी। ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था, फिल्म, संगीत, एनीमेशन, गेमिंग, डिजिटल पत्रकारिता, ऑनलाइन शिक्षा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित रचनात्मक उद्योग भी भारत की भविष्य की आर्थिक शक्ति के प्रमुख स्तंभ होंगे। इन क्षेत्रों में निवेश तभी बढ़ेगा,जब रचनाकारों को यह विश्वास होगा कि उनके श्रम,प्रतिभा और निवेश की प्रभावी कानूनी सुरक्षा उपलब्ध है। डिजिटल युग में यह केवल फिल्मों की पायरेसी का प्रश्न नहीं रह गया है।यह उस विश्वास की रक्षा का प्रश्न है,जिसके आधार पर कोई लेखक पुस्तक लिखता है,कोई संगीतकार धुन रचता है,कोई फिल्मकार करोड़ों रुपये का निवेश करता है और कोई युवा डिजिटल मंच पर अपने सपनों को आकार देता है।

योगी के घर लंच, केशव के घर चाय और ब्रजेश के घर आम पार्टी के जरिये भाजपा ने दिया बड़ा संदेश

उत्तर प्रदेश की राजनीति में रविवार को केवल दावतें नहीं हुईं, बल्कि भाजपा ने लंच, मैंगो पार्टी और चाय पार्टी के जरिए 2027 की चुनावी एकजुटता का खुला संदेश दिया। देखा जाये तो उत्तर प्रदेश की राजनीति में कुछ दृश्य केवल राजनीतिक कार्यक्रम नहीं होते बल्कि वे सीधे सत्ता और संगठन के भीतर के संदेश बन जाते हैं। वर्ष 2022 के चुनावों से ठीक पहले जिस तरह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के घर पहुंचे थे, उसी राजनीतिक संकेत को भाजपा ने इस बार और ज्यादा व्यापक रूप में दोहराया। फर्क सिर्फ इतना रहा कि इस बार तस्वीर और भी ज्यादा मजबूत दिखाई दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आवास पर भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन और वरिष्ठ नेताओं का साथ में लंच, फिर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के यहां मैंगो पार्टी और उसके बाद उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के घर चाय पार्टी ने साफ कर दिया कि भाजपा का शीर्ष नेतृत्व उत्तर प्रदेश में किसी भी तरह के मतभेद की अटकलों को पूरी तरह खत्म करना चाहता है। योगी, केशव और ब्रजेश की साझा मौजूदगी ने केंद्रीय नेतृत्व को यह भरोसा दिला दिया कि 2027 का चुनाव भाजपा पूरी राजनीतिक एकजुटता, संगठनात्मक तालमेल और साझा रणनीति के साथ लड़ेगी। सत्ता, संगठन और सामाजिक समीकरणों को एक मंच पर लाकर भाजपा ने यह संदेश दे दिया कि चुनावी बिगुल बज चुका है और पार्टी अब पूरी ताकत के साथ मैदान में उतर चुकी है।
देखा जाये तो भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के दो दिवसीय लखनऊ दौरे ने यह साफ कर दिया कि पार्टी ने 2027 के मिशन की औपचारिक शुरूआत कर दी है। संगठनात्मक बैठकों, रणनीतिक विमर्श और सहयोगी दलों के साथ लगातार संवाद के बीच रविवार का दिन राजनीतिक संदेशों से भरा रहा। दिन की शुरूआत भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्षों के साथ चाय पर चर्चा से हुई, जहां संगठन की पुरानी ताकत, पुराने अनुभव और आने वाले चुनाव की नई रणनीति पर गंभीर मंथन हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, संगठन महामंत्री बीएल संतोष और कई वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी ने यह संकेत दिया कि भाजपा इस बार चुनाव को केवल सत्ता बचाने की लड़ाई नहीं, बल्कि एक बड़े राजनीतिक अभियान के रूप में देख रही है।

लेकिन असली राजनीतिक संदेश तब सामने आया जब औपचारिक बैठकों के बाद भाजपा नेतृत्व ने अपने अंदाज को पूरी तरह राजनीतिक प्रतीकों में बदल दिया। सबसे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और अन्य वरिष्ठ नेता उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के आवास पहुंचे, जहां आम पार्टी आयोजित की गई थी। राजनीतिक तपिश के बीच आम की मिठास ने माहौल को हल्का जरूर किया, लेकिन इसके भीतर छिपा संदेश बेहद गंभीर था।
ब्रजेश पाठक ने सभी नेताओं का स्वागत किया और प्रदेश के प्रसिद्ध आम परोसे। माहौल में राजनीतिक तनाव की जगह सहज बातचीत, हंसी और आत्मीयता दिखाई दी। सबसे चर्चित क्षण तब आया जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने हाथ में आम उठाया, उसे दांतों से छीलते हुए मुस्कुराए और फिर उसका स्वाद लिया। वहां मौजूद नेताओं के बीच ठहाके गूंज उठे। यह दृश्य केवल एक अनौपचारिक क्षण नहीं था, बल्कि भाजपा नेतृत्व की अंदरूनी सहजता और पारस्परिक विश्वास का सार्वजनिक प्रदर्शन भी था।
आम पार्टी के बाद पूरा काफिला उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के आवास पहुंचा, जहां चाय पार्टी आयोजित की गई। यहां नितिन नवीन का पारंपरिक अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया गया और उन्हें भगवान बुद्ध की प्रतिमा भेंट की गई। योगी आदित्यनाथ, बीएल संतोष, ब्रजेश पाठक और अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी ने इस मुलाकात को और अधिक राजनीतिक महत्व दे दिया।
दरअसल, भाजपा अच्छी तरह जानती है कि उत्तर प्रदेश का चुनाव केवल विकास योजनाओं या चुनावी नारों से नहीं जीता जाता, बल्कि संगठनात्मक एकजुटता और सामाजिक समीकरणों की मजबूती भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। यही कारण है कि 2022 से पहले जिस तरह योगी आदित्यनाथ का केशव मौर्य के घर जाना चर्चा का केंद्र बना था, उसी तरह इस बार भी वही तस्वीर दोहराकर भाजपा ने यह संदेश देने की कोशिश की कि पार्टी में कोई दूरी नहीं है, कोई खेमेबाजी नहीं है और पूरा नेतृत्व एक साथ खड़ा है।
नितिन नवीन ने भी अपने पूरे दौरे के दौरान बार-बार यही संकेत दिया कि यह समय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा के विस्तार का समय है। भाजपा की रणनीति साफ दिखाई दी। एक ओर संगठन को सक्रिय करना, दूसरी ओर राजग सहयोगियों को साथ लेकर चलना और तीसरी ओर नेतृत्व की एकजुट तस्वीर को जनता के सामने रखना।
ताज होटल में आयोजित राजग सहयोगियों की बैठक में राष्ट्रीय लोक दल, निषाद पार्टी, सुभासपा और अपना दल के नेताओं ने जिस तरह 2027 में ऐतिहासिक जीत का दावा किया, उसने भाजपा की चुनावी तैयारियों को और स्पष्ट कर दिया। केशव प्रसाद मौर्य ने साफ शब्दों में कहा कि भाजपा 2027 में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार सरकार बनाएगी। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर हमला बोलते हुए कहा कि जनता विकास, सुशासन और सुरक्षा चाहती है, न कि गुंडाराज और परिवारवाद।
देखा जाये तो भाजपा की पूरी कवायद का सबसे बड़ा संदेश यही था कि उत्तर प्रदेश में 2027 का चुनाव केवल सीटों का संघर्ष नहीं होगा, बल्कि राजनीतिक मनोबल, संगठनात्मक शक्ति और नेतृत्व की एकजुटता की भी परीक्षा होगा। योगी आदित्यनाथ, केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक की एक साथ मौजूदगी ने यह साफ कर दिया कि भाजपा ने चुनावी बिगुल फूंक दिया है और पार्टी अब हर स्तर पर अपने कार्यकताओं, सहयोगियों और समर्थकों को यह भरोसा दिलाना चाहती है कि सत्ता और संगठन दोनों पूरी तरह एक सुर में हैं। लखनऊ में रविवार को दिखाई दी यह राजनीतिक तस्वीर केवल चाय और आम पार्टी की तस्वीर नहीं थी, बल्कि 2027 की चुनावी पटकथा का पहला सार्वजनिक दृश्य थी।

ब्लैकमेल कर 2 लाख मांगने वाले वांछित अभियुक्त को डिडौली पुलिस ने दबोचा, 10 हजार नकद व बाइक बरामद

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमरोहा लखन सिंह यादव के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के पर्यवेक्षण, क्षेत्राधिकारी नगर डॉ. प्रदीप कुमार एवं प्रभारी निरीक्षक थाना डिडौली जितेन्द्र सिंह बालियान के नेतृत्व में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना डिडौली पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। रविवार को थाना डिडौली पुलिस ने क्षेत्र में चेकिंग एवं वांछित अभियुक्तों की तलाश के दौरान थाना डिडौली पर पंजीकृत मु0अ0सं0 275/2026, धारा 308(7) बीएनएस

में वांछित अभियुक्त मनवीर पुत्र करन सिंह, निवासी ग्राम सैतली, थाना डिडौली, जनपद अमरोहा, उम्र लगभग 30 वर्ष को समय लगभग 11:00 बजे सागर रत्ना के निकट जाने वाले मार्ग से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से 10,000 नकद, एक मोबाइल फोन तथा एक सुपर स्प्लेंडर मोटरसाइकिल संख्या वढ23`7332 बरामद की गई। पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि उसने अपनी सहयोगी रिहाना पत्नी स्वर्गीय रकसाद, निवासी ग्राम ढकिया चमन, थाना डिडौली, जनपद अमरोहा के साथ मिलकर वादी की आपत्तिजनक वीडियो बना ली थी। उक्त वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर उससे 2 लाख की मांग की गई थी। अभियुक्त ने यह भी स्वीकार किया कि वह अन्य व्यक्तियों की भी इसी तरह वीडियो बनाकर ब्लैकमेल कर अवैध धन उगाही करता था। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्यवाही कर उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

पीएम मोदी पर अभद्र टिप्पणी कराने के विरोध में राष्ट्र सेवी संगठन का प्रदर्शन, राजद्रोह के मुकदमे की मांग

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने वाले एक युवक का वीडियो वायरल होने के बाद क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है।वीडियो देखने से स्पष्ट हो रहा है कि माननीय प्रधान मंत्री जी के प्रति अभद्र भाषा बोलते समय उसके पास कोई और भी मौजूद है जो बोलने के लिए उकसा रहा है।इस घटना के विरोध में सोमवार को राष्ट्र सेवी संगठन के कार्यकताओं ने अतरासी अड्डे पर जोरदार प्रदर्शन किया और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। राष्ट्र सेवी संगठन के राष्ट्रीय संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा के नेतृत्व में एकत्र हुए दर्जनों कार्यकताओं ने आरोपी युवक और

उसके सहयोगियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। संगठन के पदाधिकारियों ने स्थानीय पुलिस प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि देश के सर्वोच्च पद पर बैठे प्रधानमंत्री के सम्मान के साथ खिलवाड़ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके साथ ही राजनीतिक उद्देश्यों की पूर्ति हेतु सामाजिक एकता,समरसता को ठेस पहुंचाने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कार्रवाई करने की भी जरूरत बताई। कृष्ण कुमार शर्मा ने मांग की कि माननीय प्रधान मंत्री के प्रति किए गए शर्मनाक कृत्य के लिए आरोपी युवक और वीडियो बनाने व बोलने के लिए उकसाने वालों व वायरल करने में उसका साथ देने वाले साथियों के खिलाफ तुरंत 'राजद्रोह' का मुकदमा दर्ज किया जाए। उन्होंने प्रशासन से आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर जेल भेजने की अपील की, ताकि भविष्य में कोई भी देश के मान-सम्मान को ठेस न पहुंचा सके। इस विरोध प्रदर्शन के दौरान मुख्य रूप से राजू चौहान, मोनू चौहान, राजू सैनी, साबिर अली, त्रिलोक सिंह जाटव, पवन कश्यप, सागर भाटी, महेंद्र सिंह राणा, उमेश सैनी और मोहम्मद हसन सहित संगठन के दर्जनों कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद रहे। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए वीडियो की जांच और आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

बछरायूं पुलिस ने डुगडुगी पीटकर दी जिला बदर की मुनादी, 6 माह तक जनपद में प्रवेश वर्जित

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन में जनपद में अपराध की रोकथाम हेतु जीरो टालरेंस नीति के तहत अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में थाना बछरायूं पुलिस द्वारा जनपद की सीमा से 6 माह के लिए निष्कासित किए गए 3/4 गुण्डा अधिनियम में नामजद जिला बदर

अभियुक्त ऋषि पाल पुत्र नन्हे, निवासी ग्राम मोहनपुर, थाना बछरायूं, जनपद अमरोहा के ग्राम में जाकर डुगडुगी पीटकर मुनादी कराई गई। मुनादी के माध्यम से आमजन को सूचित किया गया कि उक्त अभियुक्त आगामी 6 माह तक जनपद अमरोहा की सीमा में प्रवेश नहीं कर सकता। यदि कोई व्यक्ति जिला बदर अवधि में अभियुक्त को जनपद की सीमा में देखे तो तत्काल स्थानीय पुलिस को सूचना दे। पुलिस ने बताया कि जिला बदर अवधि में जनपद की सीमा में पाए जाने पर अभियुक्त के विरुद्ध कड़ी वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

सीडीओ की अध्यक्षता में पीएम सूर्य घर, फैमिली आईडी और जीरो पावर्टी अभियान की बैठक हुई सम्पन्न

अमरोहा (सब का सपना):- मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में पीएम सूर्य घर योजना, जीरो पॉवर्टी कार्यक्रम, फैमिली आईडी की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। मुख्य विकास अधिकारी ने पीएम सूर्य घर योजना में सभी विभागों की प्रगति जानते हुए निर्देशित किया कि निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष अधिक से अधिक रजिस्ट्रेशन कराएं और शत प्रतिशत लक्ष्य पूर्ण करें और लगातार मॉनीटरिंग भी करें। आमजन के बीच योजना का प्रचार करते हुए लोगों को सोलर पैनल लगाने के लिए प्रेरित किया जाए। बैंको में लंबित प्रकरणों के निस्तारण कराने के निर्देश एलडीएम को दिए। मुख्य विकास अधिकारी ने बैठक में अनुपस्थित जिला पूर्ति अधिकारी के वेतन रोकने

के निर्देश दिए। फैमिली आईडी में खराब प्रगति पर नाराजगी जताते हुए निर्देश दिए कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में फैमिली आईडी बनाने के लिए लग रहे शिविरों में अधिक से अधिक आईडी बनाते हुए प्रगति लाने के साथ लक्ष्य पूर्ण करें। मुख्य विकास अधिकारी ने फैमिली आईडी बनाने में बहुत कम प्रोग्रेस करने पर अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद अमरोहा, गजरौला और हसनपुर को कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। उन्होंने जीरो पावर्टी में चयनित परिवारों को आवास, राशन, पेंशन, विद्युत संयोजन, श्रमिक कार्ड, आयुष्मान कार्ड और गैस कनेक्शन सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर देने के निर्देश दिए। उन्होनें जानकारी देते हुये कहा कि मंगलवार को ग्राम अहरौला तेजवन, विकास खण्ड गजरौला में जीरो पावर्टी से सम्बन्धित कैम्प का आयोजन किया जायेगा जिसमें सभी विभागीय अधिकारी 12 बजे पहुंचकर कैम्प में अपने विभागो सम्बन्धित योजनाओं की जानकारी देकर लाभार्थियों को लाभ प्रदान करे। मुख्य विकास अधिकारी ने उपायुक्त उद्योग को निर्देश दिये कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के अन्तर्गत अधिक से अधिक लोगो को लाभ प्राप्त करायें ताकि इस योजना का लाभ प्राप्त कर लाभार्थी अपने उद्यम खोलकर रोजगार कर सकें। बैठक में जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी, समस्त अधिकारी अधिकारी न0पा0प0 एवं0न0पं0, समस्त खण्ड विकास अधिकारी सहित संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्ट्रेट परिसर में गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष समेत अधिकारियों ने किया वृक्षारोपण

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश शुक्ला, आयोग के सदस्य दीपक गोयल एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ने सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर में समीक्षा बैठक के उपरांत वृक्षारोपण किया। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण और हरित विकास का संदेश देते हुए अधिकारियों ने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने की अपील की। वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान

मौलश्री, कदंब और नीम के पौधे लगाए गए। अधिकारियों ने कहा कि वृक्ष पर्यावरण संतुलन बनाए रखने, स्वच्छ हवा उपलब्ध कराने और आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि पौधारोपण तभी सार्थक है जब लगाए गए पौधों का संरक्षण और नियमित रखरखाव भी किया जाए। इस अवसर पर वन विभाग के क्षेत्रीय वनाधिकारी प्रभात कुमार, बहजोई सेक्शन प्रभारी नीरज कुमार सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद रहे। सभी ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का संकल्प लिया।

बिजली कटौती एवं क्षेत्र में तेंदुए के आतंक को लेकर भाकियू (लोकशक्ति) के किसानों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- सोमवार को भारतीय किसान यूनियन (लोकशक्ति) के राष्ट्रीय सचिव डॉ. सुमित कुमार नागर के नेतृत्व में क्षेत्र के किसानों एवं आम नागरिकों की समस्याओं को लेकर उपजिलाधिकारी धनौरा को ज्ञापन सौंपा गया। बता दें कि ज्ञापन में धनौरा क्षेत्र के गांवों में लगातार हो रही अघोषित एवं अत्यधिक बिजली कटौती पर तत्काल रोक लगाकर निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की गई, जिससे किसानों और आम जनता को राहत मिल सके।इसके साथ ही धनौरा क्षेत्र में तेंदुए की लगातार बढ़ रही गतिविधियों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा गया कि ग्रामीणों में भय का वातावरण बना हुआ है।ज्ञापन में वन विभाग की टीम द्वारा नियमित गश्त

कराकर तेंदुए को शीघ्र पकड़ने तथा लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई।डॉ. सुमित कुमार नागर ने कहा कि यदि इन समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो भारतीय किसान यूनियन (लोकशक्ति) किसानों और क्षेत्रवासियों के साथ आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी।इस अवसर पर राजेश, जयसिंह, मुन्ने सिंह , चंद्रशेखर, चंद्रप्रकाश, पिंटू ,संजय प्रजापति ,नीरज यादव ,हिमांगी नगर ,जोगेंद्र सिंह सोनी ,डॉ यतन गुर्जर, वीर सिंह प्रधान , राजेंद्र, प्रमोद , विजेंद्र , राजीव , त्रिलोक,कोशिंदर , हुकुम सिंह, शहजाद, चतर सिंह आदि पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

झनकपुरी में ई-रिक्शा पल्टी,दो महिलाओं सहित तीन गंभीर रूप से घायल

रजबपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के रजबपुर थाना क्षेत्र में एक ई रिक्शा पलटने से दो महिलाओं व एक पुरुष सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें आनन फानन में 108 एंबुलेंस की मदद से गजरौला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया जहां से डॉक्टर ने उन्हें प्राथमिक उपचार देने के बाद अमरोहा जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। बता दें कि पूरा मामला रजबपुर थाना क्षेत्र के गांव झनकपुरी के समीप का है जहां पर एक ई रिक्शा अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई जिससे ई रिक्शा में सवार दो महिलाएं एवं एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी देते हुए घायल शबाना ने बताया कि बीती 1 जुलाई को मेरे बेटे शाद को घर पर ही गंभीर चोट लग गई थी इस दौरान मेरे बेटे शाद के पैर की हड्डी टूट गई थी जिसको हम ऑपरेशन करने के लिए अमरोहा जिला अस्पताल में लेकर गए थे सोमवार को ई रिक्शा द्वारा मैं और मेरी सास फिरदौस मेरे पति फहीम जिला अस्पताल से उसकी छुट्टी करा कर वापस लौट रहे थे जैसे ही हमारी ई रिक्शा झनकपुरी के निकट पहुंची तो अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर लगते ही ई-रिक्शा में सवार महिलाओं और बच्चों में चीख पुकार मच गई और इस हादसे में दो महिलाएं शबाना, फिरदोष व फहीम गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के दौरान ई रिक्शा में कल 7 लोग सवार थे जिनमें चार बच्चे भी शामिल हैं। गनीमत रही की इस हादसे में बच्चों को कोई हानि नहीं पहुंची। उधर हादसा होते ही मौके पर स्थानीय लोगों एवं राहहीरो की भीड़ इकट्ठा हो गई जिन्होंने इसकी सूचना 108 एंबुलेंस को दी जिसने मौके पर पहुंचकर सभी घायलों को गजरौला के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां पर डॉक्टरों ने उनका प्राथमिक उपचार किया और फिरदोष व फहीम की हालत गंभीर होते देख उन्हें अमरोहा जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।

तहसील हसनपुर में आयोजित हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस

अमरोहा (सब का सपना):- जिला मजिस्ट्रेट डॉ0 नितिन गौड़ की अध्यक्षता और पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव की उपस्थित में तहसील हसनपुर में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। डीएम ने शिकायतों को सुनकर समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शासन की मंशा के अनुरूप जो समय सीमा समस्याओं के निस्तारण दी गई है, उसी के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराएं। उन्होंने यह भी कहा कि निस्तारण के साथ-साथ लाभार्थी को संतुष्टी भी मिलनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि आमजन की समस्याओं का समाधान ही प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। समाधान दिवस में बिना किसी पूर्व सूचना के अनुपस्थित रहने पर डीएम ने कड़ी नाराजगी जताते हुए जिला पंचायत राज अधिकारी, बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, पीओ डूडा, जिला सेवायोजन अधिकारी, अधिशासी अभियंता जल निगम, अधिशासी अभियंता नलकूप, अधिशासी अभियंता लघु सिंचाई, अधिशासी अभियंता सिंचाई और डीसी मनरेगा का स्पष्टीकरण जारी करने के साथ शीघ्रता से जवाब देने के निर्देश दिए। डॉ0 नितिन गौड़ ने कहा कि कुछ शिकायतो का गुणवत्तापरक निस्तारण न होने के कारण असंतुष्ट फीडबैक प्राप्त हो रहा है। इससे जिले की रैंकिंग खराब हो रही है तथा कुछ शिकायतों की पुनरावृत्ति हो रही है। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि शिकायत का निस्तारण करते समय शिकायतकर्ता से अवश्य बात करें, मौके पर जाकर उनकी समस्या सुनें और उचित समाधान करें। निस्तारण की जियो-टैग फोटो भी अनिवार्य रूप से अपलोड करें। इसके साथ ही सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए गए कि पोर्टल पर शिकायत निस्तारण अपलोड करते समय उसकी स्वयं मॉनिटरिंग करें तथा सुनिश्चित करें कि शिकायत की पुनरावृत्ति न हो। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन स्तर से सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता की निरन्तर समीक्षा की जा रही है। मुख्यमंत्री स्वयं इन शिकायतों की समीक्षा करते हैं। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सम्पूर्ण समाधान दिवस में राजस्व विभाग की 09, पुलिस विभाग की 06, विद्युत विभाग की 05, विकास विभाग की 04 और अन्य विभाग की 02 सहित कुल 26 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें से 03 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण करा दिया गया। भूमि संबंधी मामलों में पुलिस एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम गठित कर मौके पर भेजा गया। जिलाधिकारी ने शेष शिकायतों को संबंधित विभागीय अधिकारियों को संदर्भित करते हुए निर्देशित किया कि पूर्ण पारदर्शिता एवं निष्पक्षता से स्थलीय निरीक्षण कर शिकायतकर्ता की संतुष्टि के साथ ही निर्धारित समयावधि में शिकायतों का गुणवत्तापरक निस्तारण सुनिश्चित कराएं। डीएम ने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए। डॉ0 नितिन गौड़ ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जनता दर्शन, सीएम हेल्पलाइन, आईजीआरएस पोर्टल, तहसील दिवस एवं अन्य दिवसों में प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के साथ गुणवत्तापरक तरीके से त्वरित निस्तारण करें। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने कहा कि पुलिस अधिकारी आमजन की पुलिस संबंधी शिकायतों का उचित, गुणवत्तापूर्ण एवं शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित कराएं। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी हसनपुर, पुलिस क्षेत्राधिकारी, पीडी डीआरडीए सहित जिला व तहसील स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सीडीओ की अध्यक्षता में संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान के अंतर्गत बैठक संपन्न

अमरोहा (सब का सपना):- मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में जनपद स्तरीय अन्तर्विभागीय समन्वय बैठक आहुत की गयी। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों, स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधियों एवं अन्य सम्बंधित विभागों ने प्रतिभाग किया। बैठक में सीडीओ ने सभी संबंधित विभागों से उनके द्वारा की गयी तैयारियों की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। मुख्य विकास अधिकारी ने एमओआईसी हसनपुर के बैठक में अनुपस्थित होने पर वेतन रोकने के आदेश दिये। मुख्य विकास अधिकारी ने 01 जुलाई से 31 जुलाई तक चलने वाले विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं 11 जुलाई से 31 जुलाई तक चलने वाले दस्तक अभियान के तहत

व्यापक जनजागरूकता के लिए के लिए निर्देश दिए कि विभिन्न माध्यम से संचारी रोगों से बचाव के उपाय, स्वच्छता के महत्व एवं दस्तक अभियान की जानकारी आमजन तक पहुँचाई जाए। उन्होनें सभी अधिकारियों से अपेक्षा व्यक्त करते हुए कहा कि अभियान के दौरान जनसहभागिता के माध्यम से संचारी रोगों पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित किया जाए ताकि जिले को संचारी रोगों से मुक्त बनाया जा सके। उन्होनें निर्देश दिये कि ब्लाक स्तर पर व न्याय पंचायत स्तर पर एक-एक सक्षम अधिकारी को नोडल अधिकारी नामित करें। उन्होनें कहा कि जिन विभागों ने जो कार्ययोजना, निरीक्षण, साक्ष्य और फोटोग्राफ सहित प्रस्तुत करें। ताकि यह समीक्षा की जा सके कि किन-किन विभागों ने संचारी रोग नियन्त्रण के लिये कार्य किया अथवा नही। उन्होने जनपद के समस्त अधिशासी अधिकारियों और डीपीआरओ को वार्डो और ग्रामीण क्षेत्रों में नालियों की साफ-सफाई, एन्टी लार्विसाइडल छिडकाव एवं फॉगिंग कराये जाने हेतु निर्देश दिये गये। अभियान के दौरान समस्त विभाग किये गये कार्यों की प्रतिदिन रिपोर्ट प्रेषित करना सुनिश्चित करेगें। उन्होनें अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभागीय माइक्रोप्लान बनाते हुए उसके अनुसार सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर संचारी रोग नियंत्रण की गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करें।

उन्होंने ग्राम पंचायतों, शहरी वार्डों, आंगनवाड़ी केंद्रों एवं विद्यालयों में साफ-सफाई, जलभराव की रोकथाम, एंटी लार्वा स्प्रे, गड्ढों की भराई, मच्छरजनित रोगों की रोकथाम कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में समस्त अपर/उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, चिकित्सा अधीक्षक,, डी०एम०ओ०, डी०पी०आर०ओ०, इ०ओ०, बी०सी०पी०एम०, बी०पी०एम० एवं समस्त विभागों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

विद्यालय में बच्चों को बाल विवाह व बाल अपराधों के प्रति किया जागरूक, दिलाई शपथ

सम्भल(सब का सपना):- जनपद में बाल अपराधों की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन अभियान के तहत सोमवार को प्राथमिक विद्यालय मुजाहिदपुर सराय में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला प्रशासन और प्रयत्न संस्था के संयुक्त प्रयास से आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चों को बाल विवाह, बाल मजदूरी और बाल तस्करी जैसे गंभीर अपराधों के प्रति जागरूक करते हुए इनके खिलाफ आवाज उठाने का संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम के दौरान स्कूली बच्चों ने बाल विवाह के खिलाफ शपथ ली और यह संकल्प लिया कि वे अपने आसपास होने वाले किसी

भी संदिग्ध बाल विवाह की जानकारी तुरंत चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 या पुलिस आपातकालीन सेवा 112 पर देंगे, ताकि समय रहते ऐसे मामलों को रोका जा सके। संस्था के प्रभारी गौरीशंकर चौधरी ने बच्चों को संबोधित करते हुए बाल अपराधों के विभिन्न स्वरूपों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2030 तक भारत को बाल विवाह मुक्त बनाने का लक्ष्य तभी सफल होगा, जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति इस अभियान में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाए। उन्होंने बच्चों को समाज में जागरूकता फैलाने की सबसे मजबूत कड़ी बताते हुए बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति के खिलाफ आगे आने और दूसरों को भी जागरूक करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में फील्ड कोऑर्डिनेटर सिराज अहमद ने भी बच्चों को उनके अधिकारों और सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी। विद्यालय इंचार्ज जावेद हुसैन, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सुमन सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक एवं स्टाफ कार्यक्रम में मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने बाल अपराध मुक्त सम्भल बनाने का संकल्प दोहराया और समाज में बाल विवाह, बाल मजदूरी एवं बाल तस्करी जैसी कुरीतियों को समाप्त करने के लिए मिलकर कार्य करने का संदेश दिया।

डीएम और एसपी ने किया पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

संभल(सब का सपना):- वन महोत्सव सप्ताह के अंतर्गत सोमवार को तहसील संभल परिसर में जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल और पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित विकास का संदेश दिया। इस दौरान जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि अधिक से अधिक वृक्षारोपण से प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण होगा, जलवायु संतुलित रहेगी और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण मिल सकेगा। दोनों अधिकारियों ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने, उनकी नियमित देखभाल करने तथा पौधों को वृक्ष बनने तक संरक्षित रखने का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पौधारोपण तभी सार्थक होगा जब लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल भी की जाए। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी, क्षेत्राधिकारी संभल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। सभी ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली और हरित एवं स्वच्छ संभल बनाने का संकल्प दोहराया।

गौशालाओं को लेकर भ्रामक प्रचार अनियमितता पर होगी सख्त कार्रवाई:- महेश शुक्ल

बहजोई/संभल (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश शुक्ल ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार गौ सेवा को केवल प्रशासनिक दायित्व नहीं, बल्कि सामाजिक, मानवीय और आध्यात्मिक जिम्मेदारी के रूप में निभा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्रभावी नीतियों के चलते उत्तर प्रदेश निराश्रित गोवंश के संरक्षण और भरण-पोषण के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनकर उभरा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में वर्तमान समय में 7,700 से अधिक गौ-आश्रय स्थल संचालित हैं, जिनमें 16 लाख से अधिक निराश्रित गोवंश को सुरक्षित आश्रय, नियमित चारा, स्वच्छ पेयजल और चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। सरकार सहभागिता योजना के तहत इच्छुक गौपालकों को गोवंश सौंप रही है और उनके भरण-पोषण के लिए 50 रुपये प्रतिदिन प्रति गोवंश की सहायता राशि सीधे डीबीटी के माध्यम से बैंक खातों में भेजी जा रही है। अब तक 1,67,065 गोवंश गौपालकों को सुपुर्द किए जा चुके हैं। महेश शुक्ल ने बताया कि गौशालाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश की 5,446 गौशालाओं में 7,592 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिससे गोवंश की सुरक्षा और व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी की जा रही है। उन्होंने कहा कि संभल जनपद में 70 गौ-आश्रय स्थलों में 16,657 गोवंश संरक्षित हैं। वहीं, सहभागिता योजना के अंतर्गत 2,802 प्रगतिशील गौपालकों ने 5,070 गोवंश को अपनाकर उनके संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष ने कहा कि उत्तर प्रदेश गोवध निवारण अधिनियम-1955 के तहत सरकार गोवंश की सुरक्षा को लेकर जीरो टॉलरेंस नीति पर कार्य कर रही है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध तत्काल और कठोर कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कुछ कथित वेशधारी धर्म प्रचारकों द्वारा गौशालाओं को लेकर फैलाए जा रहे भ्रामक प्रचार का खंडन करते हुए कहा कि आयोग के पदाधिकारी लगातार गौ-आश्रय स्थलों का निरीक्षण कर रहे हैं। यदि कहीं भी किसी प्रकार की अनियमितता सामने आती है तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ तत्काल सख्त कार्रवाई की जाती है। महेश शुक्ल ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के स्पष्ट निर्देश हैं कि निराश्रित गोवंश की सेवा, सुरक्षा और संरक्षण में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा प्रदेश सरकार इस दिशा में पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

पुलिस ने पांच घंटे में चोरी का किया खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

हजरतनगर गढ़ी/संभल(सब का सपना):- थाना पुलिस ने चोरी की वारदात का महज पांच घंटे के भीतर खुलासा करते हुए एक शातिर चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी किए गए सोने-चांदी के आभूषण बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार 10 जून को कल्लू पुत्र हमीद निवासी मोबिनपुरी कढ़ेरा, थाना हजरतनगर गढ़ी ने तहरीर देकर बताया था कि अज्ञात चोरों ने रसीत पुत्र रहीम शाह के घर से सोने-चांदी के आभूषण और नकदी चोरी कर ली। वहीं उसके घर से भी सोने की झुमकी, चांदी की पायल (चेन) और नकदी चोरी कर ली गई थी। इस मामले में थाना हजरतनगर गढ़ी पर

संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। इसके बाद रविवार को रेशमा परवीन पत्नी आसिफ निवासी मंडी किशनदास सराय ने तहरीर देकर बताया कि ई-रिक्शे में यात्रा के दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनका बैग काटकर उसमें रखे सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर लिए। इस मामले में भी पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना हजरतनगर गढ़ी पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए महज पांच घंटे के भीतर आरोपी उस्मान पुत्र सखावत (41) को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने दोनों घटनाओं में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किए गए एक सोने की अंगूठी, दो जोड़ी सोने की झुमकी, दो चांदी की पैरों की चेन (पायल) तथा एक सोने का लौंग बरामद किया।

बरामदगी के आधार पर मुकदमों में संबंधित धाराओं की बढ़ोतरी की गई है। पुलिस ने आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेजते हुए अग्रिम कार्रवाई के लिए न्यायालय चन्दौसी भेज दिया है। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से चोरी की घटनाओं के पीड़ितों को राहत मिली है।

डीएम के स्थलीय निरीक्षण में दो विलेखों में 76,350 की स्टाम्प करापवंचना पाई गई, वाद दर्ज कराने के निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- शासन द्वारा दिये गये निदेर्शों के क्रम में जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ द्वारा कार्यालय उप निबन्धक, हसनपुर में पंजीकृत विलेख संख्या 11012/2026, मौहल्ला होलीवाला, हसनपुर व विलेख संख्या 10053/2026, हसनपुर अन्दर चुंगी (मौहल्ला कायस्थान नई आबादी) का स्थलीय निरीक्षण उप निबन्धक, हसनपुर व क्षेत्रीय

लेखपाल के चिन्हीकरण के आधार पर क्रेता-विक्रेता, सहायक महानिरीक्षक निबन्धन, अमरोहा आदि की उपस्थिति में किया गया। दोनों विलेखों में पक्षकारों द्वारा तथ्यों को छिपाकर रू0 76,350/- धनराशि का स्टाम्प करापवचंन पाया गया। मौके पर सहायक महानिरीक्षक निबन्धन, अमरोहा को उक्त प्रकरणों में वाद दर्ज कराने के निर्देश दिये गये और उप निबन्धक कार्यालयों में पंजीकृत विलेखों की गुणवत्तापूर्ण जांच के भी निर्देश दिये गये।

डीएम और एसपी की अध्यक्षता में आयोजित हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस सुनी समस्याएं

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनसामान्य की शिकायतों के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से सोमवार को जनपद की तीनों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई की अध्यक्षता में तहसील सम्भल के सभागार में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने शिकायतकताओं की समस्या सुनकर मौके पर अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शिकायतें लंबित न रखी जायें, शिकायतों को गम्भीरता से लिया जाये। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतों को पुलिस अधीक्षक द्वारा सुना गया एवं संबंधित थानाध्यक्षों को निस्तारण के निर्देश दिए। सोमवार को तहसील सम्भल में आए प्रार्थना पत्रों को लेकर जिलाधिकारी ने कहा कि समस्त शिकायती पत्रों को संज्ञान में लेते हुए संबंधित अधिकारी गंभीरता पूर्वक एवं गुणवत्तापूर्ण शत प्रतिशत निस्तारण करना सुनिश्चित करें। शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं शीघ्र निस्तारण निचले स्तर पर ही सुनिश्चित किया जाए। इसके उपरांत जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक तथा मुख्य विकास अधिकारी के द्वारा वन महोत्सव 2026, के अंतर्गत तहसील परिसर में पौधा रोपण किया गया।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.तरुण पाठक, सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार, उप जिलाधिकारी सम्भल निधि पटेल,क्षेत्राधिकारी संभल कुलदीप कुमार सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

गजरौला क्षेत्र में दीवार निर्माण करने को लेकर दो युवकों में मारपीट,एक घायल

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला कोतवाली क्षेत्र में दीवार के निर्माण करने पर दो युवकों में जमकर मारपीट हुई जिसमें एक युवक घायल हो गया। घायल युवक ने कोतवाली पहुंचकर आरोपी युवक के खिलाफ शिकायती पत्र दिया है और कानूनी कार्यवाही की मांग की है। बता दें कि पूरा मामला कोतवाली क्षेत्र के गांव सुल्तानठेर-महमूदपुर का है। जहां के निवासी पीड़ित मानसिंह पुत्र खूबचंद

ने बताया कि गांव निवासी पाविंदर पुत्र राजपाल ने मेरी जगह पर दीवार चिन रखी है। जिसका मैंने विरोध किया तो उसने मेरे साथ मारपीट करनी शुरू कर दी और मेरे पैर में ईंट मार कर मुझे घायल कर दिया। उसने कहा कि इससे पहले भी पाविन्द्र ने उसकी जगह पर दीवार निर्माण करने की कोशिश की थी।इस मामले में घायल मानसिंह ने आरोपी पाविंदर के खिलाफ थाने में तहरीर देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। इस मामले में गजरौला थाना प्रभारी मनोज कुमार ने कहा है कि मामले की जांच कर उचित कार्यवाही की जाएगी।

धनौरा रामगंगा पोषक नहर में डूबकर नवविवाहिता की मौत,पति को सुरक्षित बचाया

बाइक अनियंत्रित होकर नहर में गिरने से हुआ हादसा,धनौरा के मौहद्दीनपुर का मामला

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा थाना क्षेत्र स्थित रामगंगा पोषक नहर में एक नवविवाहिता की डूबकर मौत हो गई जबकि पर उसके पति को सुरक्षित बचा लिया गया। यह हादसा सोमवार की दोपहर को हुआ जब एक बाइक पर जा रहे नवविवाहित दम्पति की बाइक अनियंत्रित होकर नहर में जा गिरी। यह हादसा थाना क्षेत्र के गांव मौहद्दीनपुर पल के पास हुआ। बता दें कि इस मामले में प्राप्त जानकारी के मुताबिक गांव ताजपुर निवासी लाखन सिंह अपनी 24 वर्षीय पत्नी सोनी के साथ बाइक से मंडी धनौरा सामान लेने जा रहे थे। मौहद्दीनपुर स्थित रामगंगा पोषक नहर के पुल के पास उनकी बाइक अनियंत्रित होकर नहर में जा गिरी।चीख-पुकार सुनकर मौके पर मौजूद राहगीरों और ग्रामीणों ने दोनों को बचाने का प्रयास किया। काफी मशक्कत के बाद सोनी को नहर से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। ग्रामीणों ने बाइक को भी नहर से बाहर निकाल लिया।

मृतका की मां लीलावती ने बताया कि सोनी जमालतीपुर की निवासी थी। उसकी शादी ताजपुर निवासी लाखन सिंह के साथ 11 महीने पहले हुई थी।घटना की सूचना मिलने पर नायब तहसीलदार अजीत कुमार और थाना प्रभारी अमरपाल सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, मौहद्दीनपुर पुल के पास का मोड़ खतरनाक है और यहां पहले भी सड़क हादसे हो चुके हैं। उन्होंने इस स्थान पर सुरक्षा संबंधी आवश्यक व्यवस्था किए जाने की आवश्यकता बताई।

अग्नि सुरक्षा मानकों के अनुपालन को लेकर डीएम ने कोचिंग संस्थान, लाइब्रेरी, स्कूल, होटल एवं बैंक्वेट हॉल संचालकों के साथ की बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- लखनऊ में हाल ही में घटित अत्यंत दुःखद एवं गंभीर अग्निकांड की घटना के दृष्टिगत जनपद में संचालित होटल, बैंक्वेट हॉल, रेस्टोरेंट, स्कूल, लाइब्रेरी, कोचिंग संस्थान एवं अन्य सार्वजनिक प्रतिष्ठानों में अग्नि सुरक्षा मानकों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में संबंधित प्रतिष्ठानों के स्वामियों एवं प्रबंधकों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई।बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि जनसुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी संचालकों को निर्देशित किया कि अपने प्रतिष्ठानों में पर्याप्त संख्या में अग्निशमन यंत्र कार्यशील अवस्था में उपलब्ध रखें तथा उनकी समय-समय पर जांच एवं रिफिलिंग अनिवार्य रूप से कराई जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक प्रतिष्ठान में आपातकालीन निकास, स्पष्ट एग्जिट साइन, आपातकालीन प्रकाश व्यवस्था, फायर अलार्म प्रणाली, ऑटोमैटिक स्मोक एवं हीट डिटेक्टर, पीए सिस्टम तथा मानकों

के अनुरूप फायर स्प्रिंकलर सिस्टम अनिवार्य रूप से स्थापित एवं क्रियाशील रहें। यदि स्प्रिंकलर सिस्टम अथवा अन्य अग्निशमन उपकरणों की वैधता समाप्त हो गई हो तो उन्हें तत्काल बदलकर पर्याप्त संख्या में उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि भवनों में प्रवेश एवं निकास के लिए अलग-अलग मार्ग सुनिश्चित किए जाएं तथा किसी भी स्थिति में आपातकालीन निकास मार्ग अवरुद्ध न होने पाए।जिलाधिकारी ने सभी संस्थान संचालकों से अपील करते हुए कहा कि भवनों के निर्माण एवं मरम्मत के दौरान यथासंभव अग्निरोधी (फायर रेजिस्टेंट) सामग्री का प्रयोग किया जाए। उन्होंने कहा कि विद्युत सुरक्षा के सभी मानकों का कड़ाई से पालन किया जाए। विद्युत वायरिंग उच्च गुणवत्ता की हो तथा किसी भी प्रकार की ओवरलोडिंग न हो। उन्होंने सभी संचालकों को अपने कर्मचारियों को अग्निशमन उपकरणों के संचालन, आपदा की स्थिति में सुरक्षित निकासी एवं प्राथमिक अग्निशमन उपायों का नियमित प्रशिक्षण दिलाने तथा समय-समय पर मॉक ड्रिल आयोजित कराने के निर्देश दिए। साथ ही सभी प्रतिष्ठानों को अग्निशमन विभाग से निर्गत एनओसी एवं अन्य आवश्यक अनुमतियों को अद्यतन रखने तथा निर्धारित सुरक्षा मानकों की पूर्ण पूर्ति के उपरांत ही संचालन करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि निरीक्षण के दौरान जिन प्रतिष्ठानों में कमियां पाई गई हैं, उन्हें सात दिनों के भीतर दूर कर लिया जाए, अन्यथा संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी अधिकारी अथवा कर्मचारी द्वारा किसी भी संचालक को अनावश्यक रूप से परेशान किया जाता है तो इसकी शिकायत सीधे उनसे की जा सकती है। बैठक में जिलाधिकारी ने विशेष रूप से सभी कोचिंग संस्थान एवं लाइब्रेरी संचालकों से अपने संस्थानों का नियमानुसार रजिस्ट्रेशनकराने की अपील की, ताकि सुरक्षा एवं प्रशासनिक मानकों का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके। बैठक में संबंधित विभागीय अधिकारियों द्वारा अग्नि सुरक्षा मानकों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई तथा सभी संचालकों से जनसुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निर्धारित मानकों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी न्यायिक, जिला विद्यालय निरीक्षक, उप जिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारी, अग्निशमन विभाग के अधिकारी, विद्युत विभाग के अधिकारी, कोचिंग संस्थान, लाइब्रेरी, स्कूल, होटल, बैंक्वेट हॉल, रेस्टोरेंट, स्कूल, कोचिंग एवं लाइब्रेरी संचालक सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

महिला आयोग सदस्य के निरीक्षण में कान्हा गौशाला की बदहाल व्यवस्था उजागर, अधिकारियों को दी सख्त चेतावनी

बिजनौर (सब का सपना):- शिकायतों के आधार पर उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य संगीता जैन अग्रवाल ने नजीबाबाद के कबाड़ी बाजार स्थित कान्हा गौशाला का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गौशाला के मुख्य द्वार पर किसी कटे हुए पशु की खाल मिलने से हड़कंप मच गया। वहीं गौशाला के भीतर की बदहाल व्यवस्थाएं देखकर महिला आयोग सदस्य ने गहरी नाराजगी जताई और संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधार के निर्देश दिए। निरीक्षण में कई गोवंश भूख से व्याकुल मिले। चारे की नांद खाली थीं और पीने के पानी के हौद गंदे व बदबूदार पाए गए। गौशाला परिसर में एक गोवंश गंभीर रूप से बीमार अवस्था में खुले आसमान के नीचे पड़ा मिला। यह दृश्य देखकर महिला आयोग सदस्य ने तत्काल नगर पालिका एवं पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारियों को मौके पर बुलाकर उपचार शुरू कराने के निर्देश दिए। संगीता जैन अग्रवाल ने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि बीमार गोवंश का समुचित उपचार कराया जाए। उन्होंने कहा कि वह अगले सप्ताह स्वयं पुनः निरीक्षण करेंगी और यदि लापरवाही मिली तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की संस्तुति की जाएगी। गौशाला की बदहाल स्थिति ने सरकारी गौशालाओं की व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों ने भी गोवंशों के रखरखाव में सुधार तथा जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।गौरतलब है कि बिजनौर में अधिकांश गौशालाओं की स्थिति काफी खराब है एक माह पूर्व ही बैराज स्थित एक निजी गौशाला में भी बडी. सख्या में गौवंश बीमार व मरणासन्न हालत में मिलने पर डीएम को ज्ञापन देकर जांच कराकर कायार्वाही करने की मांग की गई थी जिसके बाद कोई सुधार नही हुआ जिला स्तर पर पशु चिकित्सक गौशालाओं के निरीक्षण के नाम पर खानापूर्ति करते रहें है

सेवा सप्ताह के अंतर्गत विश्व हिंदू परिषद-बजरंग दल ने लगाया नि:शुल्क चिकित्सा शिविर, सैकड़ों मरीजों ने उठाया लाभ

बिजनौर (सब का सपना):- विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल, जिला बिजनौर के तत्वावधान में सेवा सप्ताह के अंतर्गत सोमवार को आवास विकास स्थित काशीराम कॉलोनी के प्राथमिक विद्यालय परिसर में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यक परामर्श और निःशुल्क दवाइयां वितरित कीं। शिविर का शुभारंभ विश्व हिंदू परिषद के प्रांत सह मंत्री जितेंद्र चौधरी तथा वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. अवधेश वशिष्ठ (एमबीबीएस, डीएनबी) ने संयुक्त रूप से किया। शिविर में डॉ. मिताली आत्रेय वशिष्ठ, वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ, पंडित चंद्रकांत आत्रेय हॉस्पिटल, बिजनौर ने भी अपनी सेवाएं प्रदान कीं। इस दौरान मरीजों की रक्त जांच, शुगर जांच, नेत्र परीक्षण सहित सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण किए गए। चिकित्सकों ने मौसमी बीमारियों से बचाव के उपायों की जानकारी देते हुए लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया तथा जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क दवाइयों का वितरण भी किया। कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के कार्यकताओं ने सक्रिय सहयोग दिया। इस अवसर पर अरुण चौधरी (जिला संयोजक, बजरंग दल), रजत चौधरी (जिला साप्ताहिक मिलन प्रमुख), रोहताश (जिला सेवा प्रमुख), राजन, लक्षेश, दीपक (नगर अध्यक्ष), अमित (उप नगर मंत्री), गौरव (नगर सह मंत्री), निपुण (नगर गोरक्षा प्रमुख), निखिल सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। आयोजकों ने बताया कि सेवा सप्ताह के अंतर्गत ऐसे जनकल्याणकारी कार्यक्रमों का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना और समाज में सेवा भाव को बढ़ावा देना है। उन्होंने भविष्य में भी इसी प्रकार के सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी सेवा कार्य जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

मिल की राख में झुलसे दूसरे बच्चे की बर्थडे वाले दिन हुई मौत

बिजनौर (सब का सपना):- शहर कोतवाली क्षेत्र के झालू रोड पर मिल की गर्म राख में झुलसने वाले पांच बच्चों में से 13 वर्षीय रिहान की सोमवार को देहरादून में उपचार के दौरान मौत हो गई। इस हादसे में यह दूसरी मौत है। इससे पहले 24 जून को 13 वर्षीय शाद ने मेरठ मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था। वहीं गंभीर रूप से झुलसे साहिल और उजैद की हालत अब भी चिंताजनक बनी हुई है, जबकि बिलाल की स्थिति में काफी सुधार बताया जा रहा है। यह दर्दनाक हादसा 1 मई को हुआ था। मोहल्ला लड़ापुरा के छह-सात बच्चे नूरपुर रोड स्थित चक्कर चौराहे के पास झालू रोड पर एक आम के बाग में आंधी से गिरे आम खाने गए थे। बाग के रखवाले द्वारा भगाए जाने पर बच्चे भागते हुए सड़क किनारे पड़े मिल की गर्म राख के ढेर तक पहुंच गए। उन्हें राख के अत्यधिक गर्म होने का अंदाजा नहीं था और देखते ही देखते पांच बच्चे उसमें फंसकर गंभीर रूप से झुलस गए। हादसे में शाद (13) पुत्र दिलशाद, उजैद (12) पुत्र रशीद, रिहान (13) पुत्र इमरान, साहिल (12) पुत्र वसीम और बिलाल (12) पुत्र निसार गंभीर रूप से घायल हो गए। बच्चों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और उन्हें अस्पताल पहुंचाया, घटना की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन ने संबंधित मिल और बाग स्वामी को नोटिस जारी किए थे।सदर विधायक सूची चौधरी के पति एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता मौसम चौधरी ने अस्पताल पहुंचकर पीड़ित परिवारों से मुलाकात की थी और प्रत्येक घायल बच्चे के उपचार के लिए 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की थी। पीड़ित परिवारों की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण बच्चों का लगातार किसी बड़े विशेषज्ञ अस्पताल में उपचार नहीं हो सका। परिजन अपनी क्षमता के अनुसार अलग-अलग अस्पतालों में इलाज कराते रहे। सबसे पहले शाद की हालत बिगड़ने पर उसे मेरठ मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां 24 जून को उसकी मौत हो गई। शाद की मौत के बाद रिहान, साहिल और उजैद की स्थिति को लेकर परिजनों की चिंता और बढ़ गई। प्रशासन ने शाद की मौत के तीन दिन बाद अन्य गंभीर रूप से झुलसे बच्चों को मेरठ मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। हालांकि अपेक्षित सुधार नहीं होने पर रिहान के परिजन उसे एक जुलाई को बिजनौर ले आए। पहले जिला अस्पताल, फिर दिल्ली, उसके बाद ऋषिकेश और अंततः देहरादून में उसका इलाज कराया गया, जहां सोमवार सुबह करीब 10 बजे उसने अंतिम सांस ली।

संपूर्ण समाधान दिवस में डीएम जसजीत कौर ने सुनीं जनसमस्याएं, समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के दिए निर्देश

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के तहसील सदर में सोमवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी जसजीत कौर ने फरियादियों की समस्याएं सुनते हुए अधिकारियों को शिकायतों के समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप शिकायतकताओं को अनावश्यक रूप से सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और प्रत्येक प्रकरण का निष्पक्ष एवं संतोषजनक समाधान सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि जिन मामलों में स्थलीय जांच आवश्यक हो, उनमें संबंधित अधिकारी स्वयं मौके पर जाकर वस्तुस्थिति का निरीक्षण करें और तथ्यों के आधार पर आख्या प्रस्तुत करें। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि वर्तमान के साथ-साथ लंबित शिकायतों का भी निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए तथा शिकायतकर्ता की संतुष्टि को भी आख्या के साथ संलग्न किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की प्राथमिकता है कि आम नागरिकों को जनकल्याणकारी योजनाओं का पूरा लाभ मिले और कोई भी पात्र व्यक्ति सरकारी सुविधाओं से वंचित न रहे। संपूर्ण समाधान दिवस में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 24 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से 3 शिकायतों का मौके पर ही संबंधित विभागों द्वारा निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष शिकायतों को संबंधित अधिकारियों को सौंपते हुए उनके शीघ्र और गुणवत्तापूर्ण समाधान के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेंद्र सिंह, उप जिलाधिकारी सदर ऋतु रानी, तहसीलदार सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा कार्यकर्ताओ ने डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयन्ती मनाई

नूरपुर/बिजनौर (सब का सपना):- भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओ ने नूरपुर मंडल के शक्ति केंद्र ब्रह्मपुरी के बूथ क्रमांक 290 पर भारतीय जन संघ के संस्थापक डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयन्ती मनाई। सोमवार को भाजपा कार्यकर्ताओ ने डा. श्यामा मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनको नमन किया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष निशांत कर्णवाल ने विचार रखते हुए कहा कि डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारतीय जनसंघ की नींव रखी। डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एक महान राष्ट्रवादी विचारक,महान शिक्षाविद् थे। उन्होने अपना सम्पूर्ण जीवन सशक्त भारत के निर्माण के लिए समर्पित कर दिया। उनके आदर्श हमे सदैव प्रेरित करते रहेगें। सभी से उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष निशांत कर्णवाल,महामन्त्री वीरप्रकाश सिंह भुइयार,शक्तिकेंद्र संयोजक अंकुर रस्तोगी,मंडल उपाध्यक्ष प्रदीप कुमार राणा,मंडल मंत्री राहुल यादव,सतीश कुमार,देव भंडारी आदि उपस्थित रहे।

अग्निकांड से होने वाले नुकसान एवं बचाव के उपायों पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- नजीबुद्दौला गर्ल्स इंटर कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) की स्वयं सेविकाओं के लिए अग्निकांड से होने वाले नुकसान एवं बचाव के उपायों पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को आग लगने की स्थिति में सतर्कता, सुरक्षा और समय पर उचित कार्रवाई के प्रति जागरूक करना था। विद्यालय की प्रधानाचार्या शबाना परवीन ने छात्राओं को बताया कि आग लगने की स्थिति में घबराने के बजाय सूझबूझ से कार्य करना चाहिए तथा समय रहते आग बुझाने और स्वयं को सुरक्षित रखने के उपाय अपनाने चाहिए। कार्यक्रम अधिकारी गजाला मुमताज ने स्वयंसेविकाओं को आग से बचाव के विभिन्न उपायों की जानकारी दी तथा उन्हें अपने परिवार और समाज के लोगों को भी अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने आग बुझाने की प्रारंभिक प्रक्रिया एवं सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण सावधानियों की जानकारी भी दी। इस अवसर पर विद्यालय की सभी शिक्षिकाओं ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना सहयोग दिया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने अग्नि सुरक्षा से जुड़ी अनेक महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त कीं और भविष्य में इनका पालन करने का संकल्प लिया। यह कार्यक्रम छात्राओं के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी रहा।

अपना दल (एस) ने संगठन में किया विस्तार, आकाश तोमर बने जिला उपाध्यक्ष

शैलेंद्र चौधरी सैनिक मंच के जिला महासचिव, रवि चौधरी को नूरपुर विधानसभा महासचिव की जिम्मेदारी

बिजनौर (सब का सपना):- अपना दल (एस) ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जनपद बिजनौर में नई संगठनात्मक नियुक्तियों की घोषणा की है। जिलाध्यक्ष शैलेन्द्र चौधरी ने सक्रिय एवं समर्पित कार्यकताओं को विभिन्न दायित्व सौंपते हुए संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने पर जोर दिया। घोषित नियुक्तियों के अनुसार ग्राम बहादरपुर निवासी आकाश तोमर को जिला उपाध्यक्ष, ग्राम पंचायत मखनपुर के प्रधान रवि चौधरी को नूरपुर विधानसभा महासचिव तथा पूर्व सैनिक एवं पूर्व ग्राम प्रधान लाम्बाखेड़ा निवासी शैलेन्द्र चौधरी को सैनिक मंच का जिला महासचिव मनोनीत किया गया है। नई नियुक्तियों के बाद कार्यकताओं में उत्साह का माहौल है। जिलाध्यक्ष शैलेन्द्र चौधरी ने कहा कि पार्टी में सक्रिय, कर्मठ और जनसेवा के प्रति समर्पित कार्यकताओं को जिम्मेदारी देना संगठन की प्राथमिकता है। उन्होंने विश्वास जताया कि नवनियुक्त पदाधिकारी पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने, संगठन को मजबूत बनाने तथा आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। नवनियुक्त जिला उपाध्यक्ष आकाश तोमर ने पार्टी नेतृत्व और राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल तथा जिलाध्यक्ष का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी ने उन पर जो विश्वास जताया है, उस पर वह पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि अपना दल (एस) सामाजिक न्याय, समान अवसर और जनसेवा के संकल्प को आगे बढ़ाने वाला संगठन है, जिसकी विचारधारा को गांव-गांव और जन-जन तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता होगी। आकाश तोमर ने कहा कि युवाओं, किसानों, मजदूरों और समाज के सभी वर्गों को पार्टी से जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। साथ ही जनता की समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए संगठन को जिले में नई ऊर्जा प्रदान करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के प्रमुख सहयोगी दल के रूप में अपना दल (एस) प्रदेश में सामाजिक सरोकारों, किसानों, महिलाओं, युवाओं एवं वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए लगातार कार्य कर रहा है। पार्टी की नीतियों को आमजन तक पहुंचाकर संगठन को और अधिक मजबूत बनाया जाएगा।

नहर में डूबे व्यक्ति का 4 दिन बाद तैरता मिला शव

बिजनौर (सब का सपना):- शेरकोट थाना क्षेत्र के नूरपुर छीबरी गांव में पोषक नहर में डूबे 45 वर्षीय सतीश कुमार का शव चार दिन बाद सोमवार को नहर में तैरता हुआ मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सतीश कुमार शुक्रवार दोपहर करीब साढ़े तीन बजे गर्मी से राहत पाने के लिए गांव के पास से गुजर रही पोषक नहर में नहाने गए थे। इसी दौरान उनका पैर फिसल गया और वे गहरे पानी में डूब गए। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने तत्काल गोताखोरों की टीम के साथ सतीश की तलाश शुरू की। हालांकि, देर शाम तक उनका कोई पता नहीं चल सका और अंधेरा होने के कारण तलाशी अभियान रोकना पड़ा। शनिवार सुबह मुरादाबाद से पीएसी के गोताखोरों की टीम और एक मोटरबोट बुलाई गई। टीम ने शनिवार और रविवार, दोनों दिन नहर में दूर तक सतीश की सघन तलाश की, लेकिन तीन दिनों तक चले अभियान के बाद भी कोई सफलता नहीं मिली। सोमवार सुबह करीब 10 बजे सतीश का शव नहर में तैरता हुआ दिखाई दिया। स्थानीय लोगों की सूचना पर शेरकोट पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नहर से बाहर निकलवाया। आवश्यक पंचनामा भरने के बाद शव को जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। मृतक सतीश अपने पीछे दो बेटे और एक विवाहित बेटी छोड़ गए हैं। वह परिवार के मुख्य कमाने वाले सदस्य थे, जिससे उनके निधन के बाद परिवार पर गहरा आर्थिक संकट आ गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन और सरकार से मृतक के परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान करने की मांग की है।

भाजपा कार्यकताओं ने मनाई डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती, उनके आदर्शों पर चलने का लिया संकल्प

चन्दौसी/संभल(सब का सपना):- भारतीय जनता पार्टी के बिसौली गेट शक्ति केंद्र के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने सोमवार को स्वतंत्रता सेनानी, प्रखर राष्ट्रवादी नेता एवं भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा नेता अभिनव शर्मा ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी भारतीय राजनीति के ऐसे महान व्यक्तित्व थे, जिन्होंने राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखा। उन्होंने बताया कि वर्ष 1944 में वह हिंदू महासभा के अध्यक्ष बने और 21 अक्टूबर 1951 को भारतीय जनसंघ की स्थापना कर देश की राजनीति को नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि देश के विभाजन के समय डॉ. मुखर्जी ने विभाजन का पुरजोर विरोध किया और राष्ट्रीय एकता के पक्ष में मजबूती से अपनी आवाज उठाई। वहीं प्रवीन शर्मा ने कहा कि डॉ. मुखर्जी जम्मू-कश्मीर को भारत का पूर्ण एवं अभिन्न अंग बनाना चाहते थे।

उन्होंने देश में एक संविधान, एक निशान और एक प्रधान की अवधारणा को मजबूती से रखा और राष्ट्रीय एकता के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उनका जीवन देशभक्ति, त्याग और राष्ट्र सेवा की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम में गौरव शर्मा, पंकज शर्मा, मानस अग्रवाल, आकाश यादव, अंकित सक्सेना, अभिषेक शर्मा, विक्की रस्तोगी, अनमोल मल्होत्रा सहित भाजपा के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

महंगाई के खिलाफ राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल उत्तर प्रदेश ने भेजा ज्ञापन

औरंगाबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल उत्तर प्रदेश के प्रांतीय अध्यक्ष लोकेश अग्रवाल के आवाहन पर बुलंदशहर जिलाध्यक्ष दीपू गर्ग के नेतृत्व में आज महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी कार्यालय पर नगर मजिस्ट्रेट संजय सिंह के माध्यम से भेजा गया जिलाध्यक्ष दीपू गर्ग ने बताया कि पेट्रोल-डीजल, घरेलू एवं वाणिज्यिक (कमर्शियल) एलपीजी गैस की कीमतों में कमी, उत्तर प्रदेश में बिजली के बिलों पर लगाए गए 10% ईंधन अधिभार को वापस लेने तथा बढ़ती महंगाई पर नियंत्रण हेतु आज प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर संगठन द्वारा महामहिम राष्ट्रपति को ज्ञापन देते हुए माँग की गई है कि प्रदेश के व्यापारियों, लघु एवं कुटीर उद्योगों तथा आम उपभोक्ताओं की ओर से लगातार बढ़ती महंगाई की ओर ध्यान आकर्षित कराया जा रहा है पेट्रोल-डीजल, घरेलू एवं वाणिज्यिक गैस तथा बिजली की बढ़ती लागत ने व्यापार, उद्योग और आम नागरिकों के जीवन पर गंभीर आर्थिक बोझ डाल दिया है परिवहन लागत बढ़ने से आवश्यक वस्तुओं के मूल्य

लगातार बढ़ रहे हैं, जिससे व्यापार प्रभावित हो रहा है और आम जनता का मासिक बजट असंतुलित हो गया है। हमारी प्रमुख मांगें निम्नलिखित हैं पेट्रोल एवं डीजल की कीमतों में तत्काल कमी की जाए। घरेलू एलपीजी गैस पर पर्याप्त सब्सिडी बहाल कर आम जनता को राहत प्रदान की जाए वाणिज्यिक कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडरों के दाम कम किए जाएं, ताकि छोटे व्यापारी, होटल व्यवसायी तथा लघु उद्योग राहत प्राप्त कर सकें उत्तर प्रदेश में बिजली के बिलों पर लगाए गए 10% ईंधन अधिभार को तत्काल प्रभाव से समाप्त किया जाए परिवहन लागत कम करने हेतु प्रभावी कदम उठाए जाएं, जिससे सब्जियों, राशन एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर नियंत्रण स्थापित हो सके जनहित में निवेदन महंगाई का सबसे अधिक प्रभाव मध्यम वर्ग, निम्न आय वर्ग, छोटे व्यापारियों, लघु उद्योगों एवं आम उपभोक्ताओं पर पड़ रहा है

यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो व्यापार, रोजगार एवं जनजीवन पर इसका प्रतिकूल प्रभाव और अधिक बढ़ेगा बढ़ती महंगाई पर नियंत्रण हो तथा आम जनता एवं व्यापार जगत को राहत मिल सके ज्ञापन देने वालों में जिलाध्यक्ष दीपू गर्ग जिला संरक्षक अभिषेक अग्रवाल, जिला संगठन मंत्री गौरव गुप्ता, कार्यालय प्रमुख राजेश कुमार, जिला मंत्री सुशील अग्रवाल, विपिन अग्रवाल, रामकुमार गोयल, भव्य शर्मा, मोहित कुमार,आदि उपस्थित रहे।

पश्चिमी दिल्ली के कबाड़ गोदाम में लगी भीषण आग, दमकल की 11 गाड़ियों ने पाया काबू

पश्चिमी दिल्ली। रणहोला थाना क्षेत्र के रणहोला गांव में नांगलोई-नजफगढ़ रोड स्थित एक कबाड़ भंडारण गोदाम में रविवार देर रात आग लग गई। टिन शेड के नीचे संचालित गोदाम में रखे ज्वलनशील कबाड़ के कारण आग ने तेजी से विकराल रूप ले लिया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) ने राहत अभियान को क्रमिक रूप से बढ़ाते हुए आग को मेक-4 श्रेणी में घोषित किया और कुल 11 दमकल वाहनों को मौके पर लगाया। दिल्ली अग्निशमन सेवा के अनुसार, रात 10:22 बजे आग लगने की सूचना नियंत्रण कक्ष को मिली। शुरूआती चरण में एक वाटर टेंडर, तीन वाटर बाउजर, एक बूस्टर फायर टेंडर और एक त्वरित प्रतिक्रिया वाहन (क्यूआरवी) को घटनास्थल पर भेजा गया। आग लगातार फैलने पर रात 11 बजे अभियान का स्तर बढ़ाते हुए अतिरिक्त दमकल वाहन और वरिष्ठ अधिकारियों को मौके पर भेजा गया। देर रात तक कूलिंग अभियान जारी रखा गया करीब 11:55 बजे दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया। हालांकि, कबाड़ में आग दोबारा न भड़के, इसके लिए देर रात तक कूलिंग अभियान जारी रखा गया। आग से करीब 100 वर्ग गज क्षेत्र में बना टिन शेड आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गया। राहत की बात यह रही कि घटना में किसी के घायल होने या जनहानि की सूचना नहीं मिली। अभियान के दौरान दमकल की 11 गाड़ियों में तीन वाटर टेंडर, चार वाटर बाउजर, दो बूस्टर फायर टेंडर, एक क्यूआरवी और एक मोटरसाइकिल पंप शामिल रहे। पूरे अभियान की निगरानी सहायक मंडल अधिकारी (एडीओ) अमन कुमार, स्टेशन अधिकारी नवीन ठाकरण और अन्य अधिकारियों ने की। आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। दिल्ली अग्निशमन सेवा और संबंधित एजेंसियां आग लगने के कारणों की जांच कर रही हैं। साथ ही इस प्रकार के कबाड़ गोदाम के लिए बनाए गए मानक को पूरा किया जा रहा था या नहीं इसकी भी जांच की जा रही है।

मजबूती से विधानसभा चुनाव लड़ेगी कांग्रेस, प्रत्येक नगर और ब्लॉक में करेंगे पदयात्रा :- जियाउर्रहमान

बुलंदशहर (सब का सपना):- आगामी विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस ने दमदारी से मैदान में उतरने का ऐलान कर दिया है। जिला कार्यालय पर रविवार को जिलाध्यक्ष जियाउर्रहमान की अध्यक्षता में हुई मासिक बैठक में जिलेभर के कार्यकताओं ने एकजुट होकर ब्लॉक, नगर और बूथ कमेटियों को सक्रिय करने का संकल्प लिया। कांग्रेसियों ने भाजपा को हराने के लिए गांव- गांव, गली-गली जाने का आव्हान किया। कांग्रेस ने प्रत्येक विधानसभा पर विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटे नेताओं को कार्यकताओं और लोगों के बीच में रहने के निर्देश दिए। बैठक में बूथ कमेटियों के प्रत्येक विधानसभा स्तर पर सम्मेलन करने का निर्णय लिया गया। जिलाध्यक्ष जियाउर्रहमान एडवोकेट ने कहा कि ब्लॉक और नगर कमेटियों को सक्रिय कर उनकी समीक्षा आगामी पंद्रह दिन में की जाएगी। उन्होंने कहा कि बूथ कमेटियों के विधानसभा स्तर पर सम्मेलन जुलाई माह में किए जाएंगे और मजबूती से प्रत्येक विधानसभा

पर मिशन 2027 की तैयारी में जुटना होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा और आरएसएस सरकार ने आम आदमी का जीना बेहाल कर दिया है, सरकार के खिलाफ प्रत्येक नगर और ब्लॉक में पदयात्रा की जाएगी। उन्होंने कहा कि देश और लोकतंत्र को बचाने के लिए राहुल गांधी और कांग्रेस के साथ चलना हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी है। पूर्व जिलाध्यक्ष सुभाष गांधी, नरेंद्र चौधरी, किशन सिंह, नईम मंसूरी, डॉ इरफान और भजनलाल ने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी और गरीबी ने लोगों का जनजीवन संकट में डाल दिया है। उन्होंने कहा कि सभी को एकजुट होकर भाजपा को हराने के लिए काम करना होगा और संगठन को मजबूत करना होगा। कांग्रेस नेत्री अर्चना पांडा, जितेंद्र शर्मा, नजमी चौधरी, राजकुमार बघेल, सचिन वशिष्ठ और रामपाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने पहले अंग्रेजों से देश आजाद कराया था और इस बार भाजपा की जनविरोधी नीतियों से देश को आजाद कराएंगे। अर्चना पांडा ने कहा कि वह राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के विचारों के साथ कांग्रेस से जुड़ी हैं, अन्याय और अत्याचार के खिलाफ मिलकर साथ लड़ेंगे। बैठक में कांग्रेसियों ने निष्क्रिय पदाधिकारियों को पदमुक्त करने और सक्रिय स्थितियों को जिम्मेदारी देने का प्रस्ताव पेश किया जिसको सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष सुभाष गांधी, नरेंद्र चौधरी, अर्चना पांडा, अनिल शर्मा, साजिद गाजी, मनीष चतुर्वेदी,शकील अहमद, किशन चौधरी, मुकेश रजक, आशु कुरैशी, नजमी चौधरी, गुरुबचन सिंह, अनुपम भारद्वाज, सचिन वशिष्ठ, डॉ इरफान, राजकुमार बघेल, शाकिब मुकदम, चंद्रपाल सिंह एडवोकेट, सगीर अहमद, नरेश बाल्मिकी, लुकमान चौहान, देशदीपक भारद्वाज, सादिक सैफी, मजहर अली पाशा, मोहन लाल शर्मा, भजनलाल विमल, अमित जाटव, गौरव जयराम, आदर्शदेव शर्मा, दिनेश शर्मा, प्रमोद गौड़, नितिन शर्मा, शेर खान, नवाब खान, कृष्ण कुमार सैनी, मनोज भारद्वाज, नूर मौ, नजमी चौधरी, इशू शर्मा, इरशाद पहलवान, आदिल जोझा, हरेन्द्र राघव, प्रमोद कुमार, जतिन स्वामी, शोएब चौधरी, अंश गोस्वामी, अनिल चौधरी, राजेंद्र कश्यप, मुनेंद्र जाटव, आसिफ खान, फिरोज खान, विजय जैनवाल, वर्षा, रचना, प्रीति, वंदना आदि मौजूद रहे।

गंगा में बढते जल स्तर को लेकर भाकियू भानू ने जिलाधिकारी के नाम संबोधित ज्ञापन एसओ अहार को सोंपा

बुगरासी/बुलंदशहर (सब का सपना):- आहार क्षेत्र में लगातार बढते गंगा नदी के जल स्तर से हो रहे कटान से किसानों कृषि भूमि और गंगा तटीय क्षेत्रों को हो रहे नुकसान को लेकर भाकियू भानू ने जिलाधिकारी के नाम ज्ञापन एसओ अहार नीरज शर्मा को सोंपा। संगठन ने मांग की है कि गंगा किनारे शीघ्र कटान रोकने के लिए कार्य शुरू किए जाएं। जिससे किसानों की बची हुई भूमि और गांवों को सुरक्षित किया जा सके। ज्ञापन में बताया गया है कि गंगा तटीय क्षेत्रों में कटान लगातार बढ रहे हैं लेकिन प्रशासन की ओर से अब तक सुरक्षा कार्य शुरू ही नहीं किए गये है।गत वर्ष आई बाढ से तहसील स्याना क्षेत्र के सिध्द बाबा गंगा घाट पर मन्दिर धर्मशालाएं साधुओं के चबूतरे व 100 मीटर लम्बी सीसी रोड गंगा में समा गई थी।इसके बावजूद भी अबतक कोई सुरक्षा व्यवस्था नही की गई है। भाकियू भानू ने आरोप लगाया है कि कटान रोकने के लिए हर वर्ष लाखों रूपए मंजूर होते हैं,टैंडर भी जारी किए जाते हैं। लेकिन धरातल पर कोई भी काम नजर नही आता है। संगठन ने पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच पड़ताल कराकर टेंडर कीधन राशि के उपयोग का सार्वजनिक वितरण जारी करने तथा अनियमितता मिलने पर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन में फतेहपुर गुजर सहित गंगा किनारे के प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा देने, कटान रोकने के लिए स्थाई सुरक्षा योजना लागू करने की मांग की गई है। भाकियू भानू के मंडल अध्यक्ष गौरव प्रधान एवं युवा मंडल अध्यक्ष गौरव नागर ने चेतावनी दी है कि यदि 10 दिनों के अंदर मांगों पर कार्रवाई नही हुई तो संगठन गंगा तट पर जल सत्याग्रह शुरू करेगा, जिसकी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी।

दिल्लीवाले ध्यान दें! एक महीने तक बंद रहेगा स्वामी नारायण मार्ग, ट्रैफिक एडवाइजरी जारी

नई दिल्ली। अगर आपर रोज स्वामी नारायण मार्ग से होकर गुजरते हैं तो अब आपके लिए आना-जाना परेशानी भरा हो सकता है। दरअसल, यहां पर निर्माण कार्य के चलते इसके एक हिस्से को अगले एक महीने तक बंद रखा गया है और इसके लिए वैकल्पिक मार्ग का इस्तेमाल कर सकते हैं। वाहनों को नंद लाल मार्ग और वीर बंदा बैरागी मार्ग की ओर मोड़ा जा रहा है। लोक निर्माण विभाग ने स्वामी नारायण मार्ग पर सीसी रोड निर्माण कार्य शुरू कर दिया है। इस कारण इस मार्ग पर विशेष यातायात व्यवस्था लागू की गई है। नंद लाल मार्ग रेड लाइट से शास्त्री नगर रेड लाइट तक के हिस्से पर ट्रैफिक 3 जुलाई से 3 अगस्त तक पूरी तरह बंद रहेगा। इस दौरान यात्री वाहनों की आवाजाही पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। 24×7 ट्रैफिक डायवर्जन व्यवस्था रहेगी सड़क पर निर्माण कार्य के मद्देनजर 4 जुलाई से 3 अगस्त तक 24×7 ट्रैफिक डायवर्जन व्यवस्था रहेगी। इस प्रभावित खंड पर किसी भी प्रकार की यातायात आवाजाही की अनुमति नहीं होगी। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की सलाह दी है। ट्रैफिक पुलिस की अपील ट्रैफिक पुलिस ने आम लोगों से अनुरोध किया है कि वे प्रभावित क्षेत्र से बचें। यात्रा की पहले से योजना बनाएं और अतिरिक्त समय लेकर निकलें। किसी भी समस्या या पूर्व जानकारी के लिए इन चैनलों और नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं।

दिल्ली में सार्वजनिक शौचालयों की हालत बदतर, एमसीडी के अधिकांश जोन में गंदगी फैलाने वालों पर कार्रवाई तक नहीं

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में सार्वजनिक शौचालयों की स्थिति और वच्छता नियमों के पालन को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। उपलब्ध आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, सार्वजनिक स्थानों पर पेशाब और थूकने जैसी गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के अधिकांश जोन में पिछले पांच वर्षों के दौरान लगभग कोई कार्रवाई नहीं हुई। दूसरी ओर, नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) क्षेत्र में इसी अवधि के दौरान 11,534 चालान जारी किए गए। आंकड़ों के मुताबिक, एमसीडी के तहत केवल शाहदरा नॉर्थ जोन में कार्रवाई दर्ज की गई, जहां सार्वजनिक स्थान पर पेशाब करने के 224 और थूकने के 156 चालान काटे गए। इसके अलावा सेंट्रल, करोल बाग, सिविल लाइंस, दक्षिण, पश्चिम, केशवपुरम, नरेला, रोहिणी और नजफगढ़ सहित अन्य सभी जोन में ऐसे मामलों में कार्रवाई का कोई रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है। एनडीएमसी में लगातार हुई चालान की कार्रवाई इसके विपरीत, एनडीएमसी ने वर्ष 2020-21 से 2026-27 के बीच गंदगी फैलाने के 11,534 चालान जारी किए। इन मामलों में 5.76 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया, जिसमें से 4.38 लाख रुपये की वसूली की जा चुकी है। एनडीएमसी क्षेत्र में सार्वजनिक स्थान पर पेशाब या शौच करने पर 500 रुपये तथा थूकने पर 1,000 रुपये का जुमार्ना लगाया जाता है। वर्तमान में दिल्ली नगर निगम अधिनियम, 1957 के तहत एमसीडी क्षेत्र में सार्वजनिक स्थान पर पेशाब करने पर केवल 50 रुपये का जुमार्ना निर्धारित है। हालांकि प्रस्तावित जन विश्वास (संशोधन प्रावधान) विधेयक, 2026 में इसे बढ़ाकर 500 रुपये करने का प्रस्ताव रखा गया है। इसके अलावा राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के निदेशों के तहत सार्वजनिक स्थानों पर पेशाब, थूकने या कूड़ा फैलाने पर 5,000 रुपये तक जुमार्ना लगाने का प्रावधान भी लागू है। सार्वजनिक शौचालयों की बदहाल स्थिति आई सामने इस बीच राजधानी के विभिन्न इलाकों में सार्वजनिक शौचालयों की स्थिति भी चिंता का विषय बनी हुई है। कई स्थानों पर महिलाओं के शौचालय बंद मिले, जबकि कुछ जगहों पर सार्वजनिक शौचालय जर्जर अवस्था में पाए गए। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के आसपास शौचालयों से गंदा पानी सड़क पर बहने और परिसर में बदबू की शिकायतें सामने आईं। कई शौचालयों में सफाई व्यवस्था कमजोर मिली, जबकि कुछ परिसरों में सुरक्षा गार्ड और स्टाफ भी मौजूद नहीं थे। कुछ स्थानों पर महिलाओं के लिए उपलब्ध सुविधाएं बंद होने के कारण उन्हें वैकल्पिक व्यवस्था का सहारा लेने की सलाह दी गई। वहीं एक परिसर में महिलाओं के शौचालय के अंदर पुरुष के मिलने की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े किए हैं। अधिकारियों ने बताई कार्रवाई में आने वाली दिक्कतें एनडीएमसी के एक अधिकारी का कहना है कि सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई के दौरान कई बार विरोध और बहस की स्थिति बन जाती

बरहाना में नीरज चौधरी का जिला महामंत्री बनने पर किया गया भव्य स्वागत

बुगरासी/बुलंदशहर (सब का सपना):- रविवार को क्षेत्र के गांव बरसाना में ईश्वर त्यागी के आवास पर नीरज चौधरी का भाजापा का जिला महामंत्री बनाये जाने पर फूल माला पहनाकर भव्य स्वागत किया गया।बरहाना वासियों ने नीरज चौधरी को अपनी समस्या बताते हुए कहा कि बुगरासी दौलतपुर मार्ग चौड़ीकरण का ज्वलंत मुददा उठाया,जिस पर नीरज चौधरी ने समस्या को गंभीरता से लेते हुए कहा कि सरकार के सामने समस्या को रखकर शीघ्र समाधान किया जायेगा।इस मौके पर एडवोकेट खैमराज त्यागी जागेश त्यागी कांती त्यागी सतेन्द्र त्यागी डेविड त्यागी राकेश त्यागी गौरव त्यागी सहित कई दर्जन ग्रामीण मौजूद रहे।

डिडौली में सिपाही द्वारा शादी का झांसा देकर महिला से दुष्कर्म करने का आरोप,महिला ने तहरीर देकर की कार्यवाही की मांग

डिडौली/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की डिडौली कोतवाली क्षेत्र में पीआरवी पर तैनात एक सिपाही पर मुरादाबाद निवासी महिला ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने और लाखों रुपये हड़पने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने कोतवाली में तहरीर देकर सिपाही के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बता दें कि इस मामले में पीड़िता के मुताबिक उसके पति ट्रांसपोर्ट का काम करते थे और उनकी दोस्ती डिडौली में तैनात सिपाही से थी। एक जनवरी 2023 को बीमारी के चलते पति की मौत हो गई। पति की मौत के बाद सिपाही घर आने-जाने लगा। पति का मित्र होने के कारण महिला

ने उस पर विश्वास किया। आरोप है कि सिपाही ने खुद को अविवाहित बताकर शादी का वादा कर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। आरोपी सिपाही बाद में उसे डिडौली ले गया और अपने साथ रखने लगा। इस बीच आरोपी ने पति की दो कारें और मकान बेचकर मिली रकम हड़फ ली। कुछ समय बाद उसे पता चला कि सिपाही पहले से शादीशुदा है। विरोध पर उसने शादी करने और रुपये लौटाने से इन्कार कर दिया, जिसके बाद वह मुरादाबाद लौट गई। पीड़ित महिला के अनुसार करीब 15 दिन पहले वह दोबारा डिडौली आई थी। इस दौरान दोनों के बीच विवाद हो गया। इस दौरान पहले सिपाही ने जहरीला पदार्थ खा लिया, जिसके बाद महिला ने भी जहर का सेवन कर लिया। दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उपचार के बाद सिपाही अस्पताल से चला गया, जबकि महिला का इलाज चलता रहा। स्वस्थ होने के बाद रविवार को पीड़िता डिडौली कोतवाली पहुंची और आरोपी सिपाही के खिलाफ तहरीर देकर दुष्कर्म, धोखाधड़ी और रुपये हड़पने के आरोपों में कार्रवाई की मांग की है। सीओ सिटी डॉ. प्रदीप कुमार ने बतायाकि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रवि किशन को दिल्ली हाई कोर्ट से बड़ी राहत: बिना अनुमति नाम, फोटो या आवाज के इस्तेमाल पर लगाई रोक

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने अभिनेता और सांसद रवि किशन के व्यक्तित्व (पर्सनैलिटी) अधिकारों की रक्षा करते हुए उनके नाम, तस्वीर, आवाज या व्यक्तित्व का बिना अनुमति व्यावसायिक या आपत्तिजनक इस्तेमाल करने पर रोक लगा दी है। अदालत ने गूगल, मेटा और एक्स (पूर्व ट्विटर) सहित सोशल मीडिया प्लेटफार्म को ऐसे आपत्तिजनक और एआई से तैयार किए गए कंटेंट के लिंक हटाने का भी निर्देश दिया है। हाई कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 15 अक्टूबर तय की है। अश्लील कंटेट प्रकाशित या प्रसारित करने पर रोक न्यायमूर्ति ज्योति सिंह ने अंतरिम आदेश में कहा कि रवि किशन की छवि का उपयोग कर कोई भी अश्लील, अभद्र, मानहानिकारक या

उनकी पहचान का अनधिकृत दोहन करने वाला कंटेंट प्रकाशित या प्रसारित नहीं किया जाएगा। अदालत ने कहा कि यदि संबंधित वेबसाइट, अपलोडर या डोमेन रजिस्ट्रार आदेश मिलने के तीन दिन के भीतर ऐसा कंटेंट नहीं हटाते हैं, तो गूगल, मेटा और एक्स को 72 घंटे के भीतर संबंधित वेब लिंक हटाने होंगे। उनके नाम और तस्वीर का इस्तेमाल कर एआई कंटेट पर रोक रवि किशन ने हाई कोर्ट में दायर वाद में कहा था कि विभिन्न वेबसाइटों और इंटरनेट मीडिया मंचों पर उनके नाम और तस्वीर का इस्तेमाल कर एआइ जनित अश्लील और अपमानजनक सामग्री प्रसारित की जा रही है, जिससे उनकी प्रतिष्ठा और व्यक्तित्व अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है। याचिका में उन्होंने इश्क 104.8 एफएम के व्हाट इज लव विद कवि किशन नामक रेडियो कार्यक्रम पर भी आपत्ति जताई। उनका कहना था कि उनकी अनुमति के बिना उनके नाम, छवि और व्यक्तित्व का व्यावसायिक उपयोग किया गया। इसके अलावा इश्क एफएम के आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर उनकी नकली एआइ वीडियो भी पोस्ट की गई थी।

अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ भी आदेश पारित किया अदालत ने रेडियो चैनल के मालिक क्रिएटिव चैनल एडवरटाइजिंग एंड मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड (मनोरंजन टीवी नेटवर्क) के खिलाफ भी अंतरिम निषेधाज्ञा जारी की है। साथ ही उन अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ भी आदेश पारित किया है, जिन्होंने रवि किशन के व्यक्तित्व अधिकारों का उल्लंघन करने वाला कंटेंट अपलोड किया है।

दिल्ली-एनसीआर में सुरक्षाबलों के लिए 'मेंटल वेलनेस कार अभियान' शुरू; किरण बेदी का मानसिक सशक्तीकरण पर जोर

पश्चिमी दिल्ली। ब्रह्मा कुमारी संस्था के सुरक्षा सेवा प्रभाग ने रविवार को हरिनगर स्थित राजयोग मेडिटेशन सेवा केंद्र से मेंटल वेलनेस कार अभियान का शुभारंभ किया। प्रभाग के 25वें स्थापना वर्ष (रजत जयंती) के अवसर पर शुरू हुआ यह 10 दिवसीय अभियान 15 जुलाई तक चलेगा। इसके तहत दिल्ली समेत एनसीआर में सेना, नौसेना, वायुसेना, पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों के जवानों के लिए तनाव प्रबंधन और राजयोग मेडिटेशन पर आधारित 80 से अधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। किरण बेदी ने मानसिक सशक्तीकरण पर दिया जोर इस अवसर पर मुख्य अतिथि और सेवानिवृत्त आइपीएस किरण बेदी ने 33 वर्ष पूर्व तिहाड़ जेल में ब्रह्मा कुमारी के सहयोग से शुरू हुए आध्यात्मिक सुधारों को याद किया। उन्होंने कहा कि मानसिक सशक्तीकरण से ही सशक्त भारत का निर्माण संभव है। हरिनगर सब-जोन की निदेशक राजयोगिनी बीके शुक्ला ने जैसा अन्न, वैसा मन का सिद्धांत समझाते हुए आत्म-परिवर्तन पर बल दिया। मुख्य वक्ता मनोवैज्ञानिक डॉ. स्वामीनाथन ने भगवद्गीता का उदाहरण देते हुए तनाव और क्रोध पर विजय पाने के लिए मेडिटेशन को प्रभावी माध्यम बताया। अधिकारियों ने ध्यान के महत्व पर रखे विचार कार्यक्रम में मौजूद भारतीय नौसेना के पूर्व उप-प्रमुख वाइस एडमिरल (सेवानिवृत्त) एसएन घोरमड़े और आईडीएएस डॉ. वंदना ने कठिन परिस्थितियों में सही निर्णय लेने के लिए ध्यान को बेहद उपयोगी बताया। वहीं, पश्चिमी रेंज के संयुक्त पुलिस आयुक्त जतिन नरवाल ने चुनौतीपूर्ण पुलिस सेवा में मानसिक संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। आयोजन से जुड़े कर्नल राजीव सिंह ने बताया कि इस प्रभाग के सहयोग से अब तक 20 हजार से अधिक पूर्व सैनिक लाभान्वित हो चुके हैं। अंत में राजयोग एक्सपर्ट बीके दीपा ने सभी को सामूहिक ध्यान का अभ्यास कराया, जिसके बाद अभियान की कारों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

होने वाले बच्चे के विकास पर असर डालता है सीलिएक रोग

गर्भवती महिलाएं बरतें सावधानियां

सिलिएक रोग एक अनुवांशिक ऑटोइनयुमिन रोग है, जो बच्चे के विकास को प्रभावित करता है। ऐसे में गर्भावस्था के दौरान यदि महिलाएं हाई फाइबर का सेवन करें और ग्लूटेन खाने से परहेज करें, तो वह अपने होने वाले बच्चे को इस रोग का खतरा कम हो सकता है।

सीलिएक छोटी आंत की बीमारी है या कहा जा सकता है कि यह कुछ खानपान से होने वाली एलर्जी है। जब खाना ग्लूटेन से निकलता है, तो यह आपके पाचन तंत्र को प्रभावित करता है, जिससे पाचन संबंधी समस्याएं होती हैं। सीलिएक रोग एक ऑटोइम्यून रोग है। सीलिएक रोग एक गंभीर रोग है। सीलिएक रोग गर्भवती महिलाओं से उनके होने वाले बच्चे के विकास पर भी असर डालता है। सिलिएक रोग के कारण बच्चे की ग्रोथ रूक जाती है, जैसे बच्चे की लंबाई पर इसका असर देखने को मिलता है। आइए जानते हैं कि क्या है सिलिएक रोग और इसके प्रमुख लक्षण।

क्या है सिलिएक रोग

सिलिएक रोग एक ऑटोइनयुमिन रोग है, जो कि छोटी आंत से जुड़ा रोग है। सीलिएक रोग प्रतिरक्षा प्रणाली की वजह से होने वाली बीमारी है, जो कि ग्लूटेन खाने की वजह से होती है, जिसमें कि शरीर की रोग प्रतिरोधक्षमता अपने ही शरीर के खिलाफ लड़ने लगती है और यह पाचन तंत्र को प्रभावित करती है। यह बीमारी गेहूं, जौ, ओट्स और अन्य साबुत अनाजों से होने वाली बीमारी है, क्योंकि गेहूं, जौ एवं ओट्स में ग्लूटेन नामक प्रोटीन पाया जाता है। सिलिएक रोग व्यक्ति की छोटी आंत को ही नुकसान नहीं पहुंचाता, बल्कि कई शारीरिक विकार भी पैदा करता है।

सिलिएक रोग के लक्षण

सिलिएक रोग मुख्यत: पेट की समस्याओं से जुड़ा है, लेकिन बच्चों में यह रोग उनके शारीरिक विकास पर भी बाधा डालता है। इस रोग के कुछ मुख्य लक्षण हैं जैसे- कब्ज, दस्त, पेट में दर्द या पेट का फूलना, थकान, सिर दर्द, उल्टी आना, बाल झड़ना या शरीर में निशान व दानें आना। इसके अलावा शरीर का वजन कम होना, हड्डियों की बीमारी, खून की कमी और बार-बार गर्भपात भी हो सकता है।

अपने आहार में अनाज के साथ ही फल और सब्जियों को करें शामिल

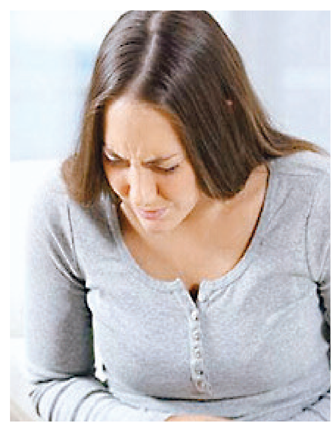

- गर्भावस्था के दौरान यदि महिलाएं यह सावधानी बरतें, तो वह अपने होने वाले बच्चे को सीलिएक रोग से दूर रख, इसके खतरे को कम कर सकती हैं। अध्ययन बताते हैं कि गर्भावस्था के दौरान यदि महिला फाइबर युक्त आहार का सेवन करती है तो वह उसके एवं आने वाले बच्चे के लिए फायदेमंद होता है।
- गर्भवती महिलाओं को गेहूं के आटे के बजाय बेसन का इस्तेमाल करना चाहिए।
- ऐसे में आपको अपने आहार में चावल, मक्का, ज्वार, बाजरा, दूध व दूध से बने उत्पाद और फल-सब्जियों को शामिल करना चाहिए। इससे आप स्वयं व अपने आने वाले बच्चे को सीलिएक रोग से बचाव कर सकते हैं।
- इसके अलावा साबुदाना की खिचड़ी, सिंगाड़े के आटे से बनने वाली रोटी, चिड़वा, मूंग दाल का हलवा और चीला खा सकते हैं, क्योंकि कई बार गर्भावस्था के दौरान कई कुछ खाने का मन होता है, तो आप चटपटी आलू की टिक्की या घर में बनी मावे की मिठाई व हलवा ले सकते हैं।
- अधिकतर प्रोस्टेट फूड्स में गेहूं, जौ या राई शामिल होता है। इसलिए इस पर लगे लेबल को जरूर देखें कि इसमें ग्लूटेन मात्रा शामिल है या नहीं।

इसके अलावा बियर से भी परहेज बरतें, क्योंकि इसमें भी गेहूं, जौ एवं राई शामिल होता है।

रेसिपी

वेजिटेबल फिंगर्स

सामग्री

- आलू: 3 (उबले और मैश किए हुए)
- गाजर: 1/2 कप (बारीक कटी हुई)
- मेथी: 1/4 कप
- बीन्स: 3-4 कप (बारीक कटी)
- नमक: स्वाद के अनुसार
- काली मिर्च: स्वाद के अनुसार
- ब्रेड क्रम्स: 1 कप
- तेल: तलने के लिए

विधि

सभी सामग्री को एक साथ बाउल में मिक्स कर लें और उन्हें फिंगर्स का शेप दें। अब कढ़ाही में तेल डालें और सुनहरा होने तक तल लें। तैयार हैं वेजिटेबल फिंगर्स।

हांडी पनीर

सामग्री

- पनीर: 200 ग्राम ■ अदरक घिसा हुआ
- हल्दी: 1/2 चम्मच ■ टमाटर:1
- लाल मिर्च पाउडर: 1/2 चम्मच
- गरम मसाला: 1/2 छोटा चम्मच
- काली मिर्च: चुटकीभर ■ पानी: 1/2 कप
- प्याज: 3 बारीक कटे ■ दही: 1/2 कप
- धनिया: बारीक कटी
- तेल: आवश्यकता के अनुसार
- नमक: स्वाद के अनुसार

विधि

हांडी में तेल गर्म होने के लिए रख दें, अब इसमें बारीक कटा प्याज डालकर भुनें। इसके बाद इसमें अदरक, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च, गरम मसाला डाल दें। थोड़ी देर भुनने के बाद इसमें टमाटर, हरी मिर्च डालकर पकाएं। इसके बाद इसमें दही डालें और उसे तब तक सूखने तक चलाते रहें, इसके बाद इसमें नमक और पानी डालकर उबाल आने तक और पकाएं। अब बारी है इसमें पनीर मिक्स करने की। इसके बाद हरी धनिया डाल दें। सबसे बाद में काली मिर्च डालें और तैयार है आपका हांडी पनीर।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): निकटस्थ व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-1-3-5

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-6

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): अपने काम को प्राथमिकता से करें। बुरी संगति से बचें। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। हाथ-पैरों में पीड़ा हो सकती है। शुभांक-4-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-2-4-5

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): मान-सम्मान में वृद्धि होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। सुविधाओं में बाधा आएगी। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-4-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): संतोषजनक सफलता मिलेगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। मेहमानों का आगमन होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। वाहन चालन में सावधानी बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-2-4-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-5-6-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-3-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। वैचारिक उत्तेजना पर नियत्रंण रखें। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-5-6-8

काकुरो पहेली - 3940

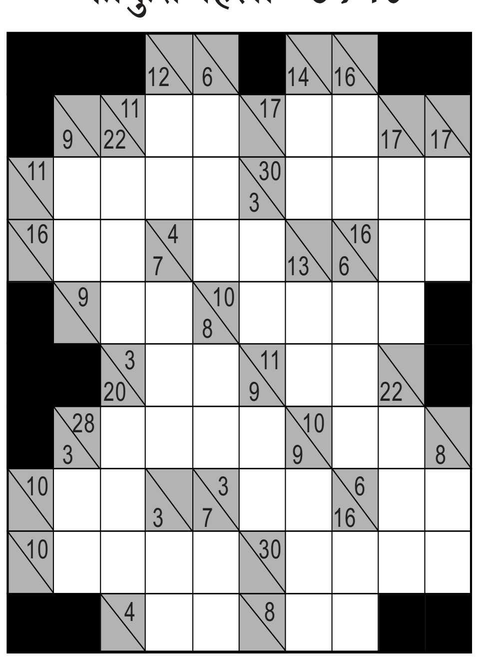

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

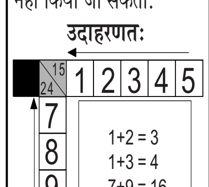

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 3939 का हल

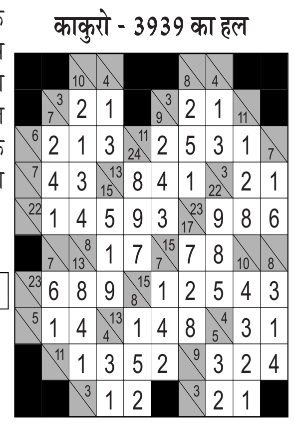

हंसी के फूव्वारें

दारोगा (रमेश से)- जब तुम्हारे यहां चोरी हुई, उस समय कितना बजा था?
रमेश (दारोगा से)- हम पर चार लट्ठ और हमारे भाई पर दो लट्ठ बजे थे.
दारोगा (रमेश से)- अरे मै घड़ी का पूछ रहा हूं उसमे कितना बजा था?
रमेश (दारोगा से)- साहब घड़ी तो एक ही लट्ठ बजने पर टूट गई.

□ □ □

महेश (संजय से) - मुझे खुशी इस बात की है कि मेरा बॉस एक डॉक्टर है.
संजय (महेश से) - ऐसी क्या खासियत है आपके बॉस में?
महेश (संजय से) - मैं थोड़ा भी बीमार पड़ता हूं, तो वह मुझे फौरन बेड रेस्ट की सलाह दे देता है.

□ □ □

दो मूर्ख वार्तालाप कर रहे थे.
पहला बोला- 'यदि वृक्ष पर हाथी चढ़ जाए और वहां से नीचे उतरना चाहे तो उसे क्या करना चाहिए?'
दूसरा मूर्ख बोला- 'हाथी को वृक्ष की टहनी पर बैठकर पतझड़ के आने की प्रतीक्षा करनी चाहिए.'

□ □ □

राम (मोहन से)- क्या कर रहे हो?
मोहन- दोस्त को पत्र लिख रहा हूं.
राम- लेकिन तुम्हें लिखना नहीं आता.
मोहन (राम से)- तो मेरे दोस्त को कौन सा पढ़ना आता है.

फिल्म वर्ग पहेली- 3940

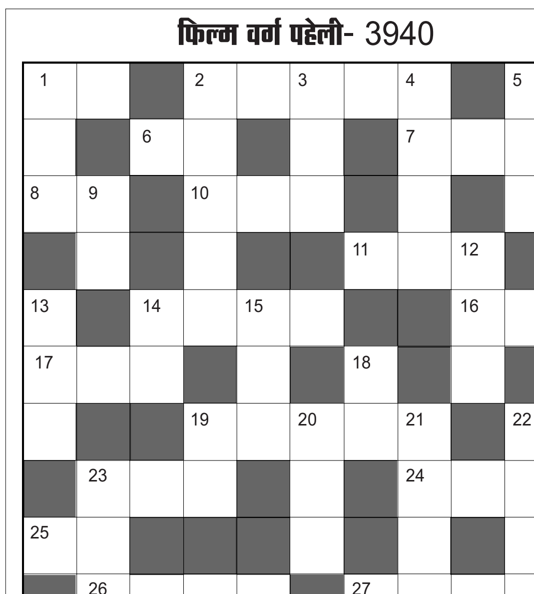

ऊपर से नीचे:-

१. संजीवकुमार, शबाना आजमी की फिल्म-३
२. देवआनंद, वहीदा रहमान की 'रंगीला रे तेरे रंग में' गीत वाली फिल्म-२,३
३. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली आफ ताब, लिसा रे की फिल्म-३
४. फिल्म 'रफूचक्कर' में ऋषिकपूर के साथ नायिका कौन थी?-२,२
५. फिल्म 'छैला बाबू' में राजेश खन्ना के साथ नायिका कौन थी?-३
९. अमिताभ, रितिक, प्रीती जिंटा की 'अगर मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'तुम रूठ के मत जाना' गीत वाली भारतभूषण, मधुबाला की फिल्म-३
१३. किशोर कुमार, चॉद उस्मानी की 'छोटा सा घर होगा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, टिवंकल की फिल्म-२
१५. फरदीनखान, उर्मिला की 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'तेरे प्यार का छाया नशा' गीत वाली आफताब, युक्ता मुखी की फिल्म-२
१९. फिल्म 'काश आप हमारे होते' का नायक कौन है?-२
२०. मिथुन चक्रवर्ती, टीना मुनीम की 'तुम सा नहीं देखा' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'ये लड़की जरा सी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-२,२
२२. मिथुन चक्रवर्ती, ऋतुपर्णा की 'गोरे रंग का जमाना' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'मिर्ची ये मिर्ची' गीत वाली फिल्म-३

बायें से दायें:-

१. फरदीन, करीना की अमिताभ बच्चन की शीर्षक भूमिका वाली फिल्म-२
२. 'चल दरिया में डूब' गीत वाली राजेश खन्ना, हेमा, मुमताज की फिल्म-२,३
६. करणनाथ, मनीषा, नतान्या की 'दिल तो उड़ने लगा' गीत वाली फिल्म-२
७. 'बाहर है प्रॉबलम' गीत वाली अमृता सिंह, अमिताभ, मीनाक्षी की फिल्म-३
८. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'सुनता है मेरा खुदा' गीत वाली अनिलकपूर, माधुरी की फिल्म-३
११. जीतेंद्र, श्रीदेवी की 'गोरी तेरे अंग अंग में' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'बोल बेबी बोल' गीत वाली अनिलकपूर, मीनाक्षी की फिल्म-२,२
१६. बॉबी देओल, मनीषा, काजोल की 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'कोई माने या ना माने' गीत वाली फिरोजखान, रेखा की फिल्म-३
१९. देवआनंद, वहीदा की 'है अपना दिल तो आवारा' गीत वाली फिल्म-३,२
२३. 'गिर गया झुमका' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३
२४. फिल्म 'तीसरी कसम' में राजकपूर के साथ नायिका कौन थी?-३
२५. प्राण, नवीन निश्चल, रेखा की 'ना सतरा से ऊपर' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'तुझे प्यार करते करते' गीत वाली अजय देवगन, जूही की फिल्म-४
२७. अजय देवगन, रानी मुखर्जी की 'ना ना मेहंदी ना मुझको लगाना' गीत वाली फिल्म-२,२

फिल्म वर्ग पहेली- 3939

आ	ई	मि	ल	न	की	बे	ला		शा
गा		ल		र्गि		ना		मि	ली
ज	मी	न		स	न	म			मा
	ना		सु		गी		पिं	ज	र
ज		प	र	वा	न			ह्ला	
ग	द	र		स्त		दो	ब	द	न
ल		ख		व	ध		ल		व
	क		ना		न	ग	मा		रं
श	ह	जा	दा		वा			रं	ग
	र		न	या	न	शा		भा	

सूडोकु -3940

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3939 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

शब्द पहेली - 3940

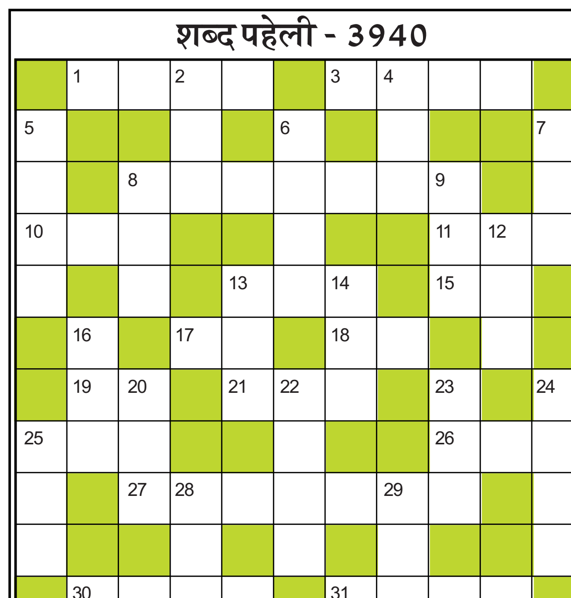

बाएँ से दाएँ

1.नेमत,वर,ईष्टकृपा -4
3.उद्देश्य,ध्येय-4
8.सयाना,चतुर-4,3
10.मनुष्य-3
11.मोल,दाम-3
13.बैठने का स्थान-3
15.दौड़ना (अंग्रेजी-2)
17.पराजित-2
18.वध,कत्ल-2
19.काव्यकार,शायर-2
21.राशिचक्र की दसवीं राशि-3
25.आक्रमण,प्रहार-3
26.पालतू जानवर-3
27.ईश्वर,भगवान-7
30.ईश्वरीय कृपा-4
31.भयभीत होना, डरना-4

ऊपर से नीचे

2.असुर,दैत्य-3
4.गागर,घड़ा-3
5.मन की करना-4
6.प्रार्थना,ईश वंदना-4
7.चरित्र,ईमान-3
8.कार्यविधि-3
9.रेखा,लाईन-3
12.माला का मोती-3
13.राहत,विश्राम-3
14.कैनाल,उपनदी-3
16.नगद राशि-3
20.रुदन -3
22.पक्षियों का शोर-4
23.मध्यांग, कटि-3
24.12 राशियों का समूह-4
25.महल,बड़ा भवन-3
28.सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
29.अदृश्य, जो दिखाई न दे-3

शब्द पहेली -3939 का हल

स	ज	दा	क	र	ना		म	त	वा	ला
ह	रा		त		का	म	ना		दा	वा
न		बे	र	ह	म		ना	रा		रि
शी	ल	वा	न		या	द		नी	र	स
ल		प		ख	ब	र	ची		न	
ता	र	न	हा	र		का	न	भ	र	ना
	म		र	ह	ब	र		यं		प
प्र	ण	य		रा	हु		ब	क	वा	स
ति		दा	स		बे	क	रा	र		न्द
का	न		चि	रा	ग		म		क	हो
र	म	जा	न		म	द	द	क	र	ना

मुपापा का हिस्सा बने आयुष्मान

यशराज-पोशम पा पिक्चर्स मिलकर बनाएंगे

आयुष्मान खुराना ने अपने करियर में कई लीक से हटकर फिल्में की हैं। वह ऐसी ही एक फिल्म 'मोपापा' का हिस्सा बनने वाले हैं, इससे बॉलीवुड के दो बडे प्रोडक्शन हाउस मिलकर बनाएंगे। जानिए, कब रिलीज होगी आयुष्मान खुराना की यह फिल्म? फिल्म 'मुपापा' को यश राज फिल्म्स और पोशम पा पिक्चर्स मिलकर बना रहे हैं, यह इन दोनों प्रोडक्शन हाउस का पहला कोलेबोरेशन है। यह मिलकर 'मोपापा' नाम की फिल्म बना रहे हैं। इसमें आयुष्मान खुराना लीड रोल में है।

बिल्कुल अलग जॉनर की होगी फिल्म

मेकर्स के मुताबिक 'मोपापा' काफी अलग जॉनर की फिल्म है। इसे समीर सक्सेना निर्देशित करेंगे। वह अब तक 'ट्रिपलिंग', 'ये मेरी फैमिली' और 'परमानेंट रूममेट्स' जैसी सीरीज बना चुके हैं। साथ ही जितेंद्र कुमार स्टारर फिल्म 'जादूगर' का निर्देशन भी वह कर चुके हैं।

कब दस्तक देगी फिल्म?

फिल्म 'मोपापा' की रिलीज डेट भी मेकर्स ने शेयर की है। यह अगले साल वैलेंटाइल वीक के बाद रिलीज होगी। इसकी रिलीज डेट 19 फरवरी, 2027 है। फिल्म में आयुष्मान खुराना के अलावा बाकी कास्ट में कौन-कौन शामिल है, अभी इसका खुलासा नहीं हुआ।

आयुष्मान खुराना करियर फ्रंट पर क्या कर रहे हैं?

बीते दिनों आयुष्मान खुराना फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' नजर आए थे। इस साल वह दो फिल्मों में नजर आएंगे। इसमें 'उड़ता तीर' और 'ये प्रेम मोल लिया' शामिल है। इसके अलावा 'मोपापा' को लेकर उनका नाम अभी-अभी सामने आया है। सभी फिल्म अलग जॉनर की हैं।

क्या '12वीं फेल' की मेधा शंकर को डेट कर रहे हैं समय रैना?

समय रैना और 12वीं फेल' की एक्ट्रेस मेधा शंकर के डेट करने की खबरें जोरों पर हैं। दोनों को एक बार फिर साथ में देखा गया है और उन्होंने कैमरा देखते ही अपना रास्ता बदल लिया। लेकिन फैंस दावा कर रहे हैं कि वे साथ हैं।

समय रैना और ' 12वीफेल' की एक्ट्रेस मेधा शंकर के डेटिंग की अफवाहें फिर से शुरू हो गई हैं, क्योंकि दोनों को एक बार फिर साथ देखा गया है। सोशल मीडिया पर दोनों का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिससे फैन्स सोच रहे हैं कि क्या उनकी दोस्ती कुछ और है और वो जान-बूझकर छिपने की कोशिश कर रहे हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया गया जिसमें दावा किया गया कि समय रैना और मेधा शंकर एक ही जगह पर साथ देखे गए। पोस्ट के मुताबिक, पैपराजी को देखते ही दोनों अलग-अलग रास्ते पर चले गए, जिससे फैंस को लगा कि वे मीडिया की नजर से बचना चाह रहे थे। वायरल पोस्ट में लिखा था, 'दोस्तों, समय रैना और मेधा शंकर डेटिंग कर रहे हैं।' इसमें आगे लिखा है, 'वे साथ देखे गए थे, और जैसे ही उन्होंने पैपराजी को देखा, वे अलग हो गए। वे अब कई बार साथ देखे जा चुके हैं। आप लोगों का क्या सोचना है?' यह पहली बार नहीं है जब समय और मेधा के डेटिंग की अफवाहें उड़ी हैं। फैंस ने पहले भी बताया है कि दोनों एक ही तरह के इवेंट्स में साथ शामिल हुए हैं, जिससे उनके रिश्ते को लेकर चल रही अटकलों को और हवा मिली है।

मेधा शंकर की आखिरी रिलीज फिल्म

वहीं, मेधा शंकर आखिरी बार प्रशांत झा के डायरेक्शन में बनी फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी 2' में नजर आई थीं। इस फिल्म में अविनाश तिवारी और मेधा शंकर लीड रोल में थे। यह 'गिन्नी वेड्स सनी' (2020) का स्पिरिचुअल सीक्वल है।

समय रैना का 'इंडियाज गॉट लेटेंट'

इस बीच, समय रैना ने हाल ही में अपने विवादित शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' के दूसरे सीजन के साथ वापसी की है। इसके पहले एपिसोड में, जो नेटफिलक्स और यूट्यूब पर एक साथ रिलीज हुआ था, 'अल्फा' की स्टार्स आलिया भट्ट और शर्वरी गेस्ट के तौर पर शामिल हुईं।

मेधा या समय ने नहीं दिया है जवाब

काफी चर्चा होने के बावजूद, समय रैना और मेधा शंकर, दोनों में से किसी ने भी डेटिंग की अफवाहों पर सीधे तौर पर कुछ नहीं कहा है। अभी तक कॉमेडियन और एक्ट्रेस के बीच रिश्ते की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और ये अटकलें पूरी तरह से फैन्स के ऑब्जर्वेशन और ऑनलाइन वायरल हो रहे क्लिप्स पर आधारित हैं।

'मिर्जापुरः द मूवी' का हिस्सा नहीं हैं विक्रांत मैसी, बबलू पंडित के किरदार में नजर आएंगे जितेंद्र कुमार

विक्रांत मैसी जल्द ही आगामी वेब सीरीज 'प्रीतम एंड पेड्रो' में नजर आएंगे। इस बीच विक्रांत मैसी ने हिट वेब सीरीज 'मिर्जापुर' को लेकर बात की, जो अब 'मिर्जापुर : द मूवी' के नाम से फिल्म के रूप में बड़े पर्दे पर लौट रही है। लेकिन वेब सीरीज के पहले सीजन का हिस्सा रहे विक्रांत मैसी इस फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। इस बीच विक्रांत ने 'मिर्जापुर' के पहले सीजन में ही अपने किरदार बबलू पंडित के मर जाने पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि काश मेकर्स उन्होंने मुझे मारा न होता। जब 'मिर्जापुर : द मूवी' की घोषणा हुई थी तो फैंस को उम्मीद थी कि बबलू पंडित के किरदार में विक्रांत मैसी की फिल्म में वापसी होगी। लेकिन जब फिल्म का टीजर जारी हुआ तो ये साफ हो गया कि विक्रांत फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। उनकी जगह 'पंचायत' फेम जितेंद्र कुमार फिल्म में बबलू पंडित के किरदार में नजर आएंगे। अब हाल ही में एफएलओ बैंगलोर ऑफिशियल के साथ बातचीत में विक्रांत ने मिर्जापुर शो के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि कैसे इसमें ज्यादातर पुरुष कास्ट और क्रू थे, जो उनके अनुसार पितृसत्ता और मेल ईगो में डूबे हुए थे। उन्होंने कहा कि जब 'मिर्जापुर' मेरे पास आया, तो असल में यह बस कुछ उत्साही लोगों का एक साथ आना था। इसमें कई शानदार महिलाएं भी शामिल थीं, लेकिन मुख्य रूप से शो में मान लीजिए लगभग 85% पुरुष शामिल थे। कैमरे के आगे और पीछे दोनों जगह। यह बस लोगों का एक समूह था जो एक साथ आए और कहा, 'चलो यह शो बनाते हैं।' इस सीरीज में विक्रांत मैसी ने अली फजल के किरदार गुड्डू पंडित के भाई बबलू पंडित का किरदार निभाया था। उनके किरदार ने कहानी में गंभीरता और समझदारी भरी सोच जोड़ी। वह गुड्डू पंडित के लिए रणनीतिक दिमाग का काम करते थे। पहले सीजन में बबलू पंडित की मौत ही वह घटना थी, जिसने कॉलेज जाने वाले गुड्डू पंडित और कालीन भैया (पंकज त्रिपाठी) के बेटे मुन्ना भैया (दिव्येंदु) के बीच जबरदस्त दुश्मनी को जन्म दिया। 2018 में रिलीज होने के बाद इस शो को बहुत ज्यादा लोकप्रियता मिली और तब से इसके तीन सफल सीजन आ चुके हैं।

अली गोनी ने जैस्मिन भसीन संग शादी को लेकर तोड़ी चुप्पी

टीवी इंडस्ट्री के मशहूर कपल अली गोनी और जैस्मिन भसीन की जोड़ी को दर्शक काफी समय से बेहद पसंद करते आए हैं और अक्सर सोशल मीडिया पर उनकी शादी को लेकर सवाल पूछते रहते हैं। इसी बीच अब अली गोनी ने अपने एक पोस्ट के जरिए पहली बार इस सवाल पर चुप्पी तोड़ी है। दरअसल, अली गोनी ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट साझा किया, जिसमें उन्होंने लिखा, ''जब शादी करनी होगी खुद बता दूंगा सबको। मेरे रिश्तेदार मेरे इतने पीछे नहीं पड़े जितना यहां इंस्टा पर लोग पड़े हैं। अपना अपना काम करो और खुश रहो और रहने दो।''

गौरतलब है कि अली से लोग सोशल मीडिया पर अक्सर उनकी शादी को लेकर सवाल पूछते रहते हैं और लगातार उनकी शादी को लेकर दबाव बनाते रहते हैं। ऐसे में अली की लोगों से ये अपील काफी चर्चा में है। बता दें कि जैस्मिन भसीन और अली गोनी की पहली मुलाकात 'खतरों के खिलाड़ी 9' के दौरान एयरपोर्ट पर हुई थी। इस शो के बाद दोनों के बीच दोस्ती की शुरुआत हुई, जो समय के साथ गहरी होती चली गई। लोगों के इस रिश्ते के बारे में पता तब चला, जब 'बिग बॉस 14' के दौरान अली गोनी ने जैस्मिन के लिए घर में वाइल्ड कार्ड एंट्री ली। इस शो में दोनों ने खुले तौर पर अपने प्यार का इजहार किया। 'बिग बॉस 14' के बाद से अली और जैस्मिन को कई बार एक साथ देखा गया। दोनों अक्सर एक-दूसरे के साथ समय बिताते हैं और सोशल मीडिया पर भी अपनी तस्वीरें और वीडियो साझा करते रहते हैं।

ऑटिज्म को लेकर फैली गलतफहमियों पर ईशा सिंह ने खुलकर की बात

टीवी अभिनेत्री ईशा सिंह इन दिनों अपने आने वाले शो 'जूही मुई' को लेकर चर्चा में हैं। इस शो में वह अपने करियर का अब तक का सबसे चुनौतीपूर्ण किरदार निभाने जा रही हैं। ईशा इसमें ऑटिज्म स्पेक्ट्रम पर रहने वाली लड़की 'जूही' की भूमिका में नजर आएंगी। अपने इस किरदार की तैयारी और ऑटिज्म को लेकर समाज में फैली गलतफहमियों पर अभिनेत्री ने खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि आज भी बड़ी संख्या में लोग ऑटिज्म को बीमारी समझते हैं, जबकि यह एक न्यूरोलॉजिकल स्थिति है। एक इंटरव्यू में ईशा सिंह ने कहा, ''आज भी बहुत से लोग ऑटिज्म को सही तरीके से नहीं समझते। जागरूकता की कमी पढ़े-लिखे लोगों के बीच भी देखने को मिलती है। मेरे अपने दोस्तों में भी ऐसे लोग हैं जिन्हें ऑटिज्म के बारे में सही जानकारी नहीं है। ऐसे में सबसे जरूरी बात यह है कि लोग इस विषय को समझें और इसके बारे में सही जानकारी हासिल करें।''

ईशा सिंह ने कहा, ''ऑटिज्म को लेकर सबसे बड़ी गलतफहमी यह है कि लोग इसे बीमारी मान लेते हैं। जबकि सच यह है कि ऑटिज्म कोई बीमारी नहीं, बल्कि मस्तिष्क के विकास से जुड़ी एक न्यूरोलॉजिकल स्थिति है। कुछ माता-पिता यह सोचते हैं कि ऑटिज्म एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैल सकता है, जबकि यह पूरी तरह गलत धारणा है। ऑटिज्म न तो संक्रामक है और न ही यह किसी तरह की बीमारी है।''

अभिनेत्री का कहना है कि ऑटिज्म स्पेक्ट्रम पर रहने वाले बच्चे अक्सर बेहद बुद्धिमान, संवेदनशील और प्यार करने वाले होते हैं। उन्हें समाज से सहानुभूति नहीं बल्कि समझ और स्वीकार्यता की जरूरत होती है। ऐसे बच्चों को बदलने की कोशिश करने के बजाय उन्हें उसी रूप में स्वीकार करना चाहिए, क्योंकि हर व्यक्ति अपनी अलग पहचान और विशेषताओं के साथ दुनिया में आता है। अपने नए शो में निभाए जा रहे किरदार को लेकर ईशा सिंह ने कहा, ''यह मेरे करियर का सबसे चुनौतीपूर्ण और जिम्मेदारी भरा रोल है। चूंकि यह एक बेहद संवेदनशील विषय है, इसलिए मैंने इसकी तैयारी में कोई कमी नहीं छोड़ी। मेरा उद्देश्य ऑटिज्म से जुड़े लोगों की भावनाओं और व्यवहार को पूरी ईमानदारी के साथ दर्शकों तक पहुंचाना था।''

ईशा ने कहा, ''इस किरदार की तैयारी के दौरान मैंने ऑटिज्म पर आधारित कई इंटरव्यू देखे, विशेषज्ञों और लोगों से बातचीत की, इस विषय पर काफी रिसर्च की और कई किताबें भी पढ़ीं। यह सीखने की प्रक्रिया अभी भी जारी है। जूही का किरदार निभाते हुए मुझे हर दिन कुछ नया सीखने को मिल रहा है। मैंने अपने स्टडी, लोगों के अनुभव और अपनी व्यक्तिगत समझ को मिलाकर इस किरदार को तैयार किया है।''

अभिनेत्री ने बताया, ''जूही के किरदार के लिए मुझे अपने चलने, बोलने, बैठने, प्रतिक्रिया देने और भावनाओं को व्यक्त करने के तरीके पर भी बारीकी से काम करना पड़ा। ऑटिज्म स्पेक्ट्रम पर रहने वाले लोग हर भावना को गहराई से महसूस करते हैं, लेकिन जरूरी नहीं कि वे उसे सामान्य तरीके से व्यक्त कर पाएं। इसी बात को ध्यान में रखते हुए मैंने अपने अभिनय में किसी तरह का दिखावा नहीं रखा, बल्कि छोटे-छोटे हाव-भाव और स्वाभाविक अभिव्यक्ति पर विशेष ध्यान दिया।''

ईशा सिंह ने कहा, ''मुझे विश्वास है कि जब दर्शक 'जूही मुई' देखेंगे तो उन्हें मेरे किरदार की कई ऐसी बारीकियां नजर आएंगी, जिन पर पूरी टीम ने काफी मेहनत की है। अगर इस शो के जरिए कुछ लोग भी ऑटिज्म को लेकर अपनी सोच बदलते हैं और इसे सही तरीके से समझ पाते हैं, तो मेरी मेहनत सफल मानी जाएगी।''

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।